आश्विन कृष्ण पक्ष षष्ठी-सप्तमी संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 71 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
13 सितंबर 2025 शनिवार

आज का मौसम
30 अधिकतम
22 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

सीएम को लेकर उड़ नहीं पाया बैलून.. लगी आग, टला हादसा

उड़ान के लिए हॉट एयर बैलून में सवार मुख्यमंत्री। इनसेट : बैलून में लगी आग।

मंदसौर, एजेंसी

प्रदेश के गांधीसागर फॉरेस्ट रिट्रीट के पास हिंगलाज रिसोर्ट में कल रात्रि विश्राम के बाद आज सुबह मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मंदसौर सांसद सुधीर गुप्ता के साथ हॉट एयर बैलून के रोमांचकारी सफर पर निकल रहे थे। दोनों बैलून में सवार हुए, लेकिन हवा की रफ्तार 20 किलोमीटर प्रतिघंटा होने से वह नहीं उड़ सका। इस दौरान बैलून के एक हिस्से में आग लग गई, जिसे वहां मौजूद कर्मचारियों ने बुझाया। सीएम डॉ. यादव जिस ट्रॉली में सवार थे, उसे सिक्योरिटी गार्ड्स ने संभाले रखा और कोई अप्रिय घटना नहीं हुई।

मुख्यमंत्री गांधी सागर रिट्रीट के चौथे संस्करण की शुरुआत के बाद रात को वहीं रूके थे। आज सुबह क्रूज पर चंबल डेम के बैक वॉटर की सैर की। इसके बाद हॉट एयर बैलून के सफर पर जाना चाहते थे। उधर, मंदसौर कलेक्टर श्रीमती अदिति गर्ग ने एक बयान जारी कर कहा है कि एयर बैलून में सुरक्षा की कोई चूक नहीं हुई है। हॉट एयर बैलून गर्म हवा का गुब्बारा होता है, जिसे उड़ान भरने योग्य बनाए रखने के लिए हवा को गर्म किया जाता है।

प्रदेश में मछली-मगर सब ठिकाने लगे: सीएम

इंदौर। सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा, अपनी सरकार के माध्यम से राज्य के अंदर मछली-मगर सबको ठिकाने लगाया है। कानून सब के लिए बराबर है। सीएम डॉ. यादव आज इंदौर में आयोजित विश्व हिंदू परिषद की अखिल भारतीय बैठक में शामिल होने पहुंचे। यहां उन्होंने कहा, हमने लाउडस्पीकर पर नियंत्रण किया। हमारा कहना है कि आप अपने-अपने धर्म की इबादत करो, इसमें कोई मनाही नहीं है, लेकिन कानून का पालन तो सबको करना पड़ेगा।

अर्जुन नगर में तड़के 4 बजे भारी पुलिस बल के साथ पहुंची प्रशासन की टीम

हिन्दू लड़कियों को फंसाने वाले लव जिहादियों के घर जमींदोज़

भोपाल, दोपहर मेट्रो

हिन्दू लड़कियों को निशाना बनाकर लव-जिहाद, रेप और ब्लैकमेलिंग के मामले में शामिल एक गैंग के खिलाफ प्रशासन ने कड़ा कदम उठाया है। इसी के तहत आज दो आरोपियों, साद और साहिल के अवैध रूप से बनाए गए घरों पर बुलडोजर चला, जिसके बाद दोनों मकान को पूरी तरह ध्वस्त हो गए। ये कार्रवाई भारी पुलिस बल की मौजूदगी में की गई। इस गैंग का मास्टरमाइंड फरहान खान अगला निशाना है, जिसके अवैध निर्माण को गिराने के लिए कोर्ट में मामला चल रहा है। कोर्ट की कार्यवाही पूरी होने के बाद फरहान के मकान पर भी बुलडोजर चलने की संभावना है।

कॉलेज की लड़कियां थी निशाने पर

यह सनसनीखेज मामला इसी साल अप्रैल में सामने आया था, जब कॉलेज की 5 छात्राओं ने भोपाल पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में आरोप लगाया गया कि फरहान खान, साद, साहिल, नबील, अली और अबरार मिलकर एक संगठित गैंग चला रहे थे, जो हिंदू कॉलेज छात्राओं को प्रेम जाल में फंसाकर रेप, ब्लैकमेलिंग और धर्म परिवर्तन के लिए दबाव बनाता था। पुलिस की छानबीन में पता चला कि इस गैंग ने कम से कम 10-12 लड़कियों को अपना शिकार बनाया हो सकता है, जिनमें से 6 पीड़ताएं अब तक सामने आ चुकी हैं।

6 आरोपियों को किया था गिरफ्तार

पुलिस ने इस मामले में 6 आरोपियों फरहान खान, साहिल, साद, नबील, अली और अबरार को पहले ही गिरफ्तार कर लिया है। सभी आरोपी मुस्लिम समुदाय से हैं। फरहान खान इस गैंग का मास्टरमाइंड बताया जा रहा है, जिसने गिरफ्तारी के दौरान भागने की कोशिश की थी,लेकिन पुलिस ने उसे एक एनकाउंटर में दबोच लिया। अब तक इस मामले में 5 एफआईआर दर्ज की जा चुकी हैं। सारे आरोपी अलग-अलग काम करते थे और मिलकर लड़कियों को अपने चंगुल में फंसाते थे। इस पूरे घटनाक्रम से भोपाल के रायसेन रोड स्थित एक कॉलेज का नाम जुड़ा था जिसकी छात्रा ने सबसे पहले शिकायत की थी।

फरहान के घर पर भी चलेगा बुलडोजर

मास्टरमाइंड फरहान के अवैध निर्माण पर कार्रवाई को फिलहाल टाल दिया गया है, क्योंकि उसकी कोर्ट में पेशी होनी है। कोर्ट के फैसले के बाद फरहान के मकान पर भी बुलडोजर चल सकता है। मुख्यमंत्री मोहन यादव के नेतृत्व में प्रशासन ने इस मामले में सख्त रवैया अपनाया है। जांच में पता चला कि यह लव जिहाद गैंग सुनियोजित तरीके से कॉलेज छात्राओं को टारगेट करता था। लड़कियों को प्रेम जाल में फंसाकर, नशीले पदार्थ देकर और ब्लैकमेलिंग के जरिए उन पर धर्म परिवर्तन का दबाव बनाया जाता था। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, इस गैंग ने कई अन्य लड़कियों को भी निशाना बनाया हो सकता है, और पीड़ताओं की संख्या 12 तक हो सकती है। प्रशासन और पुलिस इस मामले में और सख्त कदम उठाने की तैयारी में हैं।

लव जिहाद और गैंगरेप के किरदार

- **फरहान खान**- गैंग का मास्टरमाइंड, जो पूरे नेटवर्क को संचालित करता था।
- **साहिल खान**- डांस क्लास चलाता था और फरहान का करीबी साथी था।
- **साद**- मैकेनिक का काम करता था और फरहान के इशारे पर लड़कियों को नशीले पदार्थ सप्लाई करता था।
- **अली खान और अबरार**- गैंग के अन्य सक्रिय सदस्य, जो नेटवर्क में सहयोग करते थे।
- **नबील**- बिहार का रहने वाला, जो गैंग के लिए कमरे उपलब्ध कराता था।

तालमेल के साथ चुनाव, सुशीला के लिए चुनौती

काठमांडू, एजेंसी

नेपाल की अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने कुर्सी संभल ली है लेकिन उन्हें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। इसमें सभी पक्षों के बीच सहमति बनाकर मंत्रिमंडल का गठन करना और फिर छह माह के भीतर चुनाव करवाना शामिल है।

कार्की नेपाल के पहले निर्वाचित प्रधानमंत्री बीपी कोइराला के परिवार की करीबी रही हैं। कार्की अब अंतरिम सरकार की कमान संभाल रही हैं। काठमांडू में बीते कई दिनों आम जिंदगी पटरी से उतरी हुई है। सड़कों पर उतरकर सेना को मोर्चा संभालना पड़ा है। ऐसे में उनके सामने फिलहाल नेपाल में कानून-व्यवस्था बहाल करने की चुनौती है।जेनरेशन जेड, टेक्नोक्रेट और मौजूदा राजनेताओं के अस्पष्ट और अलग-अलग समूहों से बनी एक मंत्रिपरिषद बनाने का चुनौतीपूर्ण काम है। स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव करना भी बड़ी चुनौती है।

ओली ने उगला जहर

प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद केपी शर्मा ओली ने पहली बार प्रतिक्रिया दी है। एक बयान में ओली ने भारत पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि सत्ता इसलिए खो दी क्योंकि उन्होंने अयोध्या में भगवान राम के जन्म का विरोध किया था। यह भी कहा कि लिपुलेख, कालापानी और लिंपियाधुरा का मुद्दा नहीं उठाया होता तो वह सत्ता में बने रहते। ऐतिहासिक रूप से भारत का हिस्सा रही इन जगहों को नेपाल अपना क्षेत्र बताता है।

कार्की के पति ने जिस विमान को हाईजैक किया उसमे सवार थीं एक्ट्रेस माला सिन्हा

सुशीला कार्की के जीवन का एक दिलचस्प पहलू उनके पति, दुर्गा प्रसाद सुबेदी का विवादों से भरा अतीत है, जो नेपाल के पहले प्लेन हाइजैक में शामिल थे, जिसमें प्रसिद्ध बॉलीवुड एक्ट्रेस माला सिन्हा भी सवार थीं। उस वक्त सुबेदी नेपाली कांग्रेस के युवा नेता थे। साल 1973 में, राजा महेंद्र के शासनकाल के दौरान, सुबेदी नेपाल के पहले प्लेन हाइजैक में शामिल थे। 10 जून, 1973 को, विराटनगर से काठमांडू जाते समय रॉयल नेपाल एयरलाइंस के एक प्लेन को हाइजैक कर लिया गया था। विमान में सवार 19 यात्रियों में बॉलीवुड एक्ट्रेस माला सिन्हा भी शामिल थीं। हालांकि, हाइजैक का मुख्य कारण विराटनगर के बैंकों से निकाले जा रहे 30 लाख रुपये थे। पूर्व प्रधानमंत्री गिरिजा प्रसाद कोइराला द्वारा रची गई इस हाइजैक की साजिश राजशाही के खिलाफ संघर्ष के लिए पैसे जुटाने की थी। प्लेन को बिहार के फारबिसगंज में जबरन उतार दिया गया और बाद में कार से पैसा दार्जिलिंग पहुंचाया गया। सुबेदी और हाइजैक में शामिल अन्य लोगों को बाद में मुंबई में गिरफ्तार कर लिया गया और दो साल की जेल हुई।

पूर्वोत्तर दौरे पर पहुंचे मोदी ने मणिपुर में कहा - आपके जज्बे को सलाम...

नई दिल्ली/आइजोल, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज से तीन दिवसीय पूर्वोत्तर के दौरे पर हैं। मणिपुर के चुराचांदपुर में रैली में उन्होंने कहा कि मैं मणिपुर को सर झुकाकर प्रणाम करता हूं और यहां के जज्बे को सलाम करता हूं। उल्लेखनीय है कि यह क्षेत्र मणिपुर हिंसा में प्रभावित हुआ था। पीएम का ये दौरा कई मायनों में खास है। इससे पूर्वोत्तर के राज्यों को काफी उम्मीदें हैं। यहां वे कई परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे।

सैरांग नई रेल लाइन का उद्घाटन: मोदी सुबह 11 बजे मिजोरम पहुंचे। उन्होंने खराब मौसम के कारण मिजोरम के लेंगपुई हवाई अड्डे से ऑनलाइन 8,070 करोड़ रुपए की 51.38 किलोमीटर लंबी बैराबी-सैरांग नई रेल लाइन का उद्घाटन किया, जो मिज़ोरम की राजधानी आइजोल को पहली बार भारतीय रेल नेटवर्क से जोड़ेगी। खराब मौसम के कारण वह सभास्थल तक नहीं पहुंच सके।

मणिपुर पहुंचे पर पीएम का स्वागत।

पहली बार मणिपुर का दौरा: जातीय हिंसा भड़कने के बाद प्रधानमंत्री की यह पहली मणिपुर यात्रा है। वे चुराचांदपुर और इंफाल में जनसभाओं को संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी इन दोनों स्थानों पर 8,500 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का अनावरण करेंगे। वे चुराचांदपुर के पीस ग्राउंड से 7,300 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे। यह क्षेत्र कुकी-जनजाति बाहुल्य है। प्रधानमंत्री इंफाल में 1,200 करोड़ रुपये की विभिन्न इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं का उद्घाटन भी करेंगे।

मेट्रो एंकर देश की बौद्धिक रीढ़ हैं शिक्षक, देखना जरूरी कि हम उनसे कैसा व्यवहार करते हैं

अगर शिक्षकों को मामूली वेतन मिलता है तो 'गुरु ब्रह्मा...' का पाठ करना बेकार..

नईदिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने शिक्षकों के साथ हो रहे व्यवहार पर दुख जताया है। शीर्ष अदालत ने कहा कि अगर शिक्षकों को कम वेतन मिलता है तो सिर्फ 'गुरु ब्रह्मा, गुरु विष्णु, गुरु देवो महेश्वर' का पाठ करना बेकार है। जो लोग भविष्य बनाते हैं, उन्हें अच्छी सैलरी मिलनी चाहिए। गुजरात सरकार की ओर से सहायक प्रोफेसरों को कम वेतन देने के मामले में सर्वोच्च अदालत ने यह टिप्पणी की है। कोर्ट ने कहा कि शिक्षकों को उचित सम्मान और वेतन मिलना चाहिए क्योंकि वे भविष्य की पीढ़ी को तैयार करते हैं।

गुजरात सरकार के फैसले पर सवाल : शीर्ष कोर्ट ने गुजरात सरकार को हाईकोर्ट के उस आदेश का पालन करने को कहा है जिसमें सहायक प्रोफेसरों को समान काम के लिए

समान वेतन देने की बात कही गई है। गुजरात सरकार कांट्रैक्ट पर काम करने वाले असिस्टेंट प्रोफेसरों को सिर्फ 30,000 रुपये महीना दे रही है, जबकि वो एड-हॉक और रेगुलर एसोसिएट प्रोफेसरों के जैसा ही काम करते हैं। एड-हॉक प्रोफेसरों को लगभग 1.2 लाख और रेगुलर प्रोफेसरों को 1.4 लाख रुपये महीना मिलता है।

यह था असिस्टेंट प्रोफेसर से जुड़ा मामला: कोर्ट को बताया गया कि 2,720 पदों में से सिर्फ 923 पदों पर ही रेगुलर स्टाफ हैं। बाकी पदों को भरने के लिए सरकार एड-हॉक और कांट्रैक्ट पर लोगों को रख रही है। 158 पदों पर एड-हॉक और 902 पदों पर कांट्रैक्ट के आधार पर भर्तियां की गई हैं। इसके बावजूद 737 पद खाली हैं। सरकार ने 525 नए असिस्टेंट प्रोफेसरों और 347 लेक्चरर के पदों को मंजूरी दी है, लेकिन फिर भी कई पद खाली हैं।

शिक्षक किसी भी देश की बौद्धिक रीढ़

जस्टिस पी.एस. नरसिम्हा और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की बेंच ने कहा कि हमें इस बात की बहुत चिंता है कि हम अपने शिक्षकों के साथ कैसा व्यवहार करते हैं। ये शिक्षक हमारी आने वाली पीढ़ी को पढ़ाते हैं। उन्हें जरूरी योग्यता और ज्ञान देते हैं। कोर्ट ने आगे कहा कि शिक्षक किसी भी देश की बौद्धिक रीढ़ होते हैं। वे अपना जीवन भविष्य की पीढ़ी के दिमाग और चरित्र को आकार देने में लगा देते हैं। उनका काम सिर्फ पाठ पढ़ाना नहीं है, बल्कि मार्गदर्शन करना है। रिसर्च को बढ़ावा देना, सोचने की क्षमता विकसित करना और ऐसे मूल्यों को सिखाना भी है जो समाज की तरक्की में योगदान करते हैं। कोर्ट ने कहा कि जब शिक्षकों को सम्मान नहीं मिलेगा और उन्हें अच्छी सैलरी नहीं मिलेगी, तो देश में ज्ञान की कीमत कम हो जाएगी। इससे उन लोगों का हौसला टूटेगा जो देश को आगे बढ़ाने में लगे हैं। गुजरात हाईकोर्ट ने कहा था कि असिस्टेंट प्रोफेसरों को 'समान काम, समान वेतन' के हिसाब से सैलरी मिलनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात सरकार की अपील को खारिज कर दिया।

वीडियो के दुरुपयोग को चुनौती वाली जनहित याचिका पर दिया अंतरिम आदेश

जबलपुर /भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने अपने महत्वपूर्ण अंतरिम आदेश में सभी क्रिमिनल कोर्ट की लाइव स्ट्रीमिंग पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल ने यू-ट्यूब व मेटा के शिकायत अधिकारी को नोटिस जारी कर जवाब-तलब किया है। हाई कोर्ट की लाइव स्ट्रीमिंग के वीडियो यूट्यूब और इंस्टाग्राम पर मीम्स या शार्ट्स के माध्यम से अपलोड किए जाते हैं। हाईकोर्ट ने इसे आपत्तिजनक माना है। मामले की अगली सुनवाई 25 सितंबर को होगी। मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा व न्यायमूर्ति विनय सराफ की युगलपीठ ने यह अंतरिम आदेश लाइव स्ट्रीमिंग के वीडियो के दुरुपयोग को चुनौती देने वाली जनहित याचिका पर दिया है। जबलपुर के अधिवक्ता अरिहंत तिवारी और विदित शाह ने जनहित याचिका दायर कर कहा था कि यूट्यूब और इंस्टाग्राम पर मीम्स या शार्ट्स डालना आपत्तिजनक है। कई बार न्यायाधीशों द्वारा ओपन कोर्ट में कही गईं बातों को मिर्च-मसाला लगाकर उन्हें प्रसारित किया जाता है। यह अदालत की अवमानना है। याचिका के जरिये यू-ट्यूब के स्थान पर वेबेक्स आधारित प्लेटफार्म से प्रकरणों की लाइव स्ट्रीमिंग करने की मांग की गई। ये कुछ हद तक सुरक्षित हैं। यह मांग भी की गई कि रजिस्ट्रार आइटी भी इस तरह की गतिविधियों की निगरानी कर नियंत्रण सुनिश्चित करें।

26 आबादी पर 14 मशीनों से डेंगू का प्रकोप रोकने का प्रयास

राजधानी में लगातार बढ़ रहे मलेरिया डेंगू और चिकनगुनिया के मामले

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राजधानी में डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया के मामले लगातार बढ़ रहे हैं, लेकिन नगर निगम की फॉगिंग व्यवस्था चिंताजनक रूप से अपर्याप्त है। 26 लाख की आबादी के लिए केवल 14 वाहन-माउंटेड फॉगिंग मशीनें हैं, जो अलग-अलग दिनों में संचालित की जाती हैं। इनमें से एक मशीनें फायर ब्रिगेड टीम संचालित करती है, जबकि तीन मशीनें वीआइपी इलाकों (चार इमली, 74 बंगला, रचना नगर) के लिए आरक्षित हैं। बाकी 10 मशीनों के भरोसे पूरे शहर है। डॉक्टर्स का मानना है कि सभी 85 वार्डों में रोजाना फॉगिंग होनी चाहिए, लेकिन निगम की ढिलाई से स्थिति गंभीर बनी हुई है। पर्याप्त और समय पर फॉगिंग न होने से मच्छरों का प्रजनन चक्र नहीं टूट पा रहा है।

दवाओं का उपयोग और खर्च: निगम मच्छरों से पैदा होने वाले रोगों की रोकथाम के लिए दो दवाओं साइनोथियन (खुले क्षेत्र में फॉगिंग) और टेमोफॉस (लार्वा नष्ट करने) का उपयोग करता है। हर महीने लगभग 110-110 लीटर दवा की खपत का दावा किया जाता है, जिस पर करीब 3 लाख रुपए खर्च होते हैं। हालांकि, लॉगबुक की कमी के कारण इस दावे की सत्यता संदिग्ध है। डॉक्टरों का कहना है कि बच्चों में बुखार आने के तीन दिन बाद ही डेंगू की जांच कराना चाहिए। लगातार उल्टी, सूजन आने पर तत्काल डॉक्टर को दिखाएं क्योंकि इससे खतरा अधिक होता है।

फॉगिंग में गंभीर चूक

नियमों के अनुसार फॉगिंग का कार्य शाम ढलने के बाद ही होना चाहिए, क्योंकि इस दौरान मच्छर सबसे अधिक सक्रिय होते हैं, लेकिन निगम अक्सर दिन में ही फॉगिंग करता है, जिससे मच्छरों पर नियंत्रण नहीं पाया जा रहा है। इसके अलावा निगम के पास ऐसा कोई चार्ट नहीं है कि कौन से जोन में अब तक कितने बार फॉगिंग की गई है। वहीं अपर आयुक्त ने बताया कि स्वास्थ्य शाखा के कर्मचारी लगातार वार्ड स्तर पर छिड़काव और लार्वा परीक्षण का काम कर रहे हैं। फॉगिंग का कार्य भी आवश्यकता के अनुसार किया जा रहा है।

एमसीयू में लिंक्डइन एज ए टूल ऑफ पीआर, विषय पर कार्यशाला

जनसंपर्क विधा केवल सूचना साझा करने तक सीमित नहीं है : तनुष्का

भोपाल, दोपहर मेट्रो

आज के डिजिटल युग में जनसंपर्क केवल सूचना साझा करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह धारणा निर्माण, निवेशकों के साथ बेहतर संबंध तथा व्यक्तिगत ब्रांडिंग का एक अहम साधन बन चुका है। पीआर केवल मीडिया कवरेज तक सीमित नहीं है, बल्कि यह विभिन्न टूल्स के माध्यम से एक संगठन, प्रोडक्ट या व्यक्ति की सकारात्मक छवि गढ़ने का प्रयास है। किसी भी ब्रांड या संगठन की साख, उसकी विश्वसनीयता को स्थापित करने में लिंक्डइन जैसे नेटवर्क की भूमिका बहुत अहम है।

यह बात एडीजी क्राफ्ट कम्युनिकेशन, नोएडा की सीनियर लिंक्डइन कंटेंट स्ट्रैटिजिस्ट तनुष्का सिंह ने कही। एमसीयू के विज्ञापन एवं जनसंपर्क विभाग में लिंक्डइन एज ए टूल ऑफ पीआर, विषय पर एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर तनुष्का सिंह ने जनसंपर्क की अवधारणा को समझाते हुए कहा कि पेशेवर नेटवर्किंग के जरिए स्थायी और सार्थक संबंध स्थापित किए जा सकते हैं। निवेशकों तक सटीक और पारदर्शी जानकारी पहुँचाने में लिंक्डइन एक अहम मंच है। कॉर्पोरेट जगत और व्यक्तिगत स्तर पर विश्वसनीय पहचान बनाने का यह अनूठा साधन है। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि लिंक्डइन प्रोफाइल को केवल रियूमे के रूप में नहीं बल्कि

स्वयं के ब्रांड के रूप में प्रस्तुत करना चाहिए। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष प्रोफेसर पवित्र श्रीवास्तव ने बताया कि लिंक्डइन अकादमिक संस्थानों को उद्योग जगत से जोड़ने का एक सशक्त मंच है। छात्र इसके माध्यम से इंटर्नशिप ट्रेनिंग और रोजगार के विभिन्न अवसरों को प्राप्त कर सकते हैं। लिंक्डइन व्यावसायिक जगत में काफी उपयोगी बनता जा रहा है और सशक्त जनसम्पर्क एक माध्यम बन गया है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. जया सुरजानी ने किया।

हबीबगंज इलाके की घटना

बाइक पर बैठी युवती व स्कूटर सवार युवक घायल, चालकों पर केस दर्ज

भोपाल, दोपहर मेट्रो

हबीबगंज इलाके में स्कूटर सवार एक युवक और बाइक पर बैठी युवती गंभीर रूप से घायल हुई है। दोनों वाहनों को अलग-अलग कारों ने टक्कर मारी थी। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने टक्कर मारने वाले कार चालकों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार फरियादी राजकुमार पांडे टीटी नगर में रहते हैं और एक शोरूम पर काम करते हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि उनका भतीजा अंकुर पांडे अपनी स्कूटर से मिसरोद से पंचशील नगर स्थित घर लौट रहा था। हबीबगंज थानांतर्गत कृष्ण प्रणामी मंदिर के पास पांच नंबर की तरफ से आ रही एक तेज रफ्तार कार ने उसकी स्कूटर को टक्कर मार दी, जिससे अंकुर गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे परिजनों ने उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया और बाद में थाने जाकर टक्कर मारने वाले कार चालक के खिलाफ केस दर्ज करवाया। पुलिस आरोपी कार और चालक की तलाश कर रही है। इधर हबीबगंज पुलिस ने गायत्री कहार निवासी इंदौर की रिपोर्ट पर कार चालक के खिलाफ एक्सीडेंट का केस दर्ज किया था। गायत्री ने पुलिस को बताया कि वह नर्सिंग काम काम करती हैं। उनकी छोटी बहन ज्योति कहार भोपाल के कोलार रोड पर रहती है और वह भी नर्सिंग का काम करती है। गुरुवार को ज्योति अपने सहकर्मी के साथ निजी अस्पताल से सैंपल कलेक्ट करने के बाद बाइक पर बैठकर घर लौट रही थी। अक्षय अस्पताल तिराहे के पास कोलार तिराहे की तरफ से आ रही एक तेज रफ्तार कार ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे ज्योति को गंभीर चोट आई। उसे इलाज के लिए एम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नेशनल लोक अदालत: छूट का लाभ उठाने शिविरों में लगीं कतारें

भोपाल। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के आदेशानुसार नगर निगम द्वारा सभी वार्ड कार्यालयों में दो स्थानों पर नेशनल लोक अदालत शिविरों का आयोजन किया गया। इन शिविरों में सम्पत्तिकर व जलदर के अधिभार (सरचार्ज) में छूट दी गई। निगम आयुक्त हरेन्द्र नारायन ने बकायादारों से अपील की है कि नेशनल लोक अदालत में पहुंचे और वह अपने सम्पत्तिकर एवं जलदर से संबंधित प्रकरणों के अधिभार में दी जा रही छूट का लाभ उठाएं और सम्पत्तिकर, जलदर के प्रकरणों का निराकरण कराएं। निगम द्वारा 169 स्थानों पर राजस्व वसूली शिविरों का आयोजन किया गया। सम्पत्तिकर एवं अधिभार की राशि 50 हजार रुपये बकाया है, उन्हें मात्र अधिभार में 100 प्रतिशत की छूट का प्रावधान है, जबकि 50 हजार से अधिक एवं 1 लाख रुपये तक बकाया राशि पर केवल अधिभार में 50 प्रतिशत तक की छूट एवं 1 लाख रुपये से अधिक की राशि बकाया में 25 प्रतिशत की छूट मिलेगी। जलकर के ऐसे प्रकरण जिनमें कर एवं अधिभार की राशि 10 हजार रुपये तक की राशि बकाया है, ऐसे प्रकरणों में अधिभार में 100 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। कर एवं अधिभार की राशि 10 हजार रुपये से अधिक 50 हजार रुपये तक की राशि पर अधिभार में 75 प्रतिशत की छूट तथा जलकर एवं अधिभार की राशि 50 हजार रुपये से अधिक होने पर मात्र अधिभार में 50 प्रतिशत की छूट मिलेगी।

अड़ीबाजी और तोडफ़ोड़ करने वाला बदमाश तलवार के साथ गिरफ्तार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

शाहजहांनाबाद इलाके में एक महिला के साथ अड़ीबाजी करते हुए कार में तोडफ़ोड़ करने वाले बदमाश को पुलिस ने तलवार के साथ गिरफ्तार कर लिया है। घटना के समय आरोपी ने महिला के बेटे पर छुरी से हमला भी किया था। आरोपी वारदात करने की नीयत से घूम रहा था, तभी पुलिस ने उसे दबोच लिया। जानकारी के अनुसार फरीदा बी पत्नी गुफरान खान (35) मदर इंडिया कालोनी में रहती हैं और गृहणी हैं। बीती ग्यारह सितंबर की रात करीब ग्यारह बजे वह अपने परिवार वालों के साथ बातचीत कर रही थी, तभी मोहल्ले में रहने वाले अरशद बब्बा नामक बदमाश ने घर के बाहर खड़ी उनकी कार में तोडफ़ोड़ कर दी। फरीदा ने जब उसे कार फोडऩे का कारण पूछा तो वह पार्टी करने के लिए रुपयों की मांग करने लगा। महिला ने रुपये देने से मना किया तो वह उनके साथ गाली-गलौज करते हुए झूमाझटकी करने लगा। परिवार वालों ने बीच-बचाव किया तो आरोपी ने उनके बेटे पर चाकू से हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। शोर शराबा सुनकर आसपास के लोग पहुंचे तो वह धमकी देते हुए वहां से भाग निकला। पुलिस ने इस मामले में आरोपी के खिलाफ गाली-गलौज, मारपीट, अड़ीबाजी और तोडफ़ोड़ समेत विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। उसके बाद से आरोपी की तलाश की जा रही है। इसी बीच मुखबिर से सूचना मिली कि फरार चल रहा बदमाश तलवार लेकर इलाके में घूम रहा है। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी अरशद उर्फ बब्बा (28) निवासी मदर इंडिया कालोनी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के पास से एक तलवार जब्त की गई है। पुलिस ने उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी के खिलाफ गाली गलौज, मारपीट, जान से मारने की धमकी देने, अड़ीबाजी समेत आधा दर्जन से ज्यादा अपराध दर्ज हैं। आरोपी को गिरफ्तार करने में थाना प्रभारी उमेशपाल सिंह चौहान, एसआई शेषनाथ सिंह, सूरज अतुलकर, हेड कांस्टेबल शिवप्रताप सिंह चंदेल, आरक्षक विवेक तिवारी की सराहनीय भूमिका रही।

केंद्रीय संस्कृत विश्व विद्यालय में प्रतियोगिता का आयोजन हुआ

भोपाल। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में वार्षिक सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं के अंतर्गत 06 सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं शैक्षिक लघु चलचित्र (संस्कृंतकफिल्म), एकल संस्कृत गीत, समूह गीत, रंगोली, एकल नृत्य एवं समूह नृत्य का आयोजन किया गया। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के निदेशक प्रो.रमाकांत पांडे ने कहा कि सांस्कृतिक कार्यक्रम विद्यार्थियों के संपूर्ण विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इन प्रतियोगिताओं में विश्वविद्यालय के बी एड, एम एड, शास्त्री, आचार्य , आईटेप आदि कक्षाओं के छात्र छात्राओं ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। सभी प्रतियोगिताओं में संस्थान के वरिष्ठ प्राध्यापकों और कलाकारों ने निर्णय का कार्य किया।

गर्ल्स कॉलेज में हैकाथॉन पर विशेष सत्र

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो

संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज, भोपाल में इंस्टिट्यूशन इनोवेशन काउंसिल और कंप्यूटर साइंस विभाग के संयुक्त तत्वावधान में हैकाथॉन- एम्पावरिंग इनोवेशन फॉर अ बेटर टुमॉरो विषय पर एक विशेष सत्र का आयोजन किया गया। इस सत्र में इनोबिम्ब इंफोटेक प्रा. लि. के सीओओ और सीटीओ श्री गौरव नेमा ने मुख्य वक्ता के रूप में छात्राओं का मार्गदर्शन किया। नेमा ने हैकाथॉन को एक इनोवेशन मैराथन बताते हुए छात्राओं को नवाचार, तकनीकी रचनात्मकता और टीम वर्क के महत्व के बारे में विस्तार से समझाया। उन्होंने कहा कि हैकाथॉन में टीम का सहयोग, विचारों का मंथन, टेक्नोलॉजी और रचनात्मकता का प्रदर्शन, मेंटर से मार्गदर्शन, और समस्या समाधान की

चुनौती के साथ-साथ दूरदर्शिता भी बहुत आवश्यक है। भविष्य में इस क्षेत्र में करियर के अवसरों पर चर्चा करते हुए उन्होंने बताया कि नवाचार, उद्यमिता और तकनीक-आधारित समाधानों से कई नए व्यावसायिक मॉडल विकसित होंगे। नेमा ने यह भी सलाह दी कि कार्यप्रणाली में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (ढ्ढ) का उपयोग तो करना चाहिए, लेकिन उस पर पूरी तरह निर्भर नहीं होना चाहिए। ऐसा करने से व्यक्ति की मौलिक सोच, रचनात्मकता और मानवीय दृष्टिकोण सुरक्षित रहेंगे, जिससे दीर्घकालीन सफलता की संभावनाएं बढ़ेंगी। कॉलेज की प्राचार्य डॉ. डालिमा पारवानी ने कहा कि नवाचार ही प्रगति की कुंजी है। उन्होंने हैकाथॉन जैसे आयोजनों को छात्राओं के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि ये उन्हें न केवल तकनीकी रूप से सशक्त बनाते हैं, बल्कि उनमें समस्या समाधान और टीम वर्क जैसी महत्वपूर्ण क्षमताओं का भी विकास करते हैं।

कल से शुरू होगी विश्व रंग अंतरराष्ट्रीय हिंदी ओलंपियाड

भोपाल। हिंदी भाषा के वैश्विक प्रचार-प्रसार और नई पीढ़ी को हिंदी से जोड़ने के उद्देश्य से विश्व रंग फाउंडेशन (भारत), रवीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय भोपाल एवं वनमाली सृजन पीठ द्वारा संयुक्त रूप से विश्व रंग अंतरराष्ट्रीय हिंदी ओलंपियाड 2025 का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन 14 सितम्बर (हिंदी दिवस) से 30 सितम्बर (अंतरराष्ट्रीय अनुवाद दिवस) तक भारत सहित विश्व के 50 से अधिक देशों में आयोजित होगा। विश्व रंग के निदेशक और रवीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति संतोष चौबे ने विश्व रंग अंतरराष्ट्रीय हिंदी ओलंपियाड पर बात करते हुए कहा कि विश्व रंग हिंदी ओलंपियाड 65 देशों में हिंदी के लिए काम करने वाले, हिंदी बोलने, सुनने, लिखने वाले लोगों को एक साथ लाने का कार्य करेगा। इसका 14 सितम्बर से 30 सितम्बर तक आयोजन किया जाएगा, जिसमें भारत में कक्षा 1 से लेकर स्नातकोत्तर तक तथा विदेशों में लेवल 1 से लेवल 6 तक के विद्यार्थियों को छह स्तरों पर अवसर दिया जाएगा। हिंदी ओलंपियाड अपने स्वरूप और विस्तार के लिहाज से अब तक का सबसे बड़ा सांस्कृतिकदृशैक्षणिक अभियान होगा। इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में विजेताओं को आकर्षक पुरस्कार दान किए जाएंगे, साथ ही प्रत्येक प्रतिभागी को प्रमाणपत्र भी मिलेगा।

बोरवन क्लब का अभियान आओ लगाएं 'एक पेड़ पितरों के नाम'

हिरदाराम नगर. समाज और प्रकृति को समर्पित संस्था दीनदयाल बोरवन क्लब ने आज एक पेड़ पितरों को नाम अभियान का शुभारम्भ गुलमोहर का पेड़ किया। क्लब अध्यक्ष ने बताया कि इन दिनों भोजन का दान और गंगा आदि पवित्र नदियों में तर्पन का महत्व माना गया है। जिससे हमारे पितृगण प्रसन्न होकर हमें आशीर्वाद प्रदान करते हैं। उसी तरह वृक्षों को लगाना भी प्रकृति के लिए तर्पण है, क्यों कि स्वच्छ पर्यावरण आने वाली पीढ़ियों के जीवन को सुरक्षित करेगा। ऐसा करने पर भी हमारे पूर्वज संतुष्ट होकर आशीर्वाद बरसाते हैं। आहवन है आप भी एक पेड़ अपने पितृगणों के नाम अवश्य लगाएं। क्लब महासचिव शेट्टी चंदनानी को जन्मदिवस की बधाई दी।

मेट्रो एंकर | संत हिरदाराम साहिब के 119वें अवतरण दिवस पर कार्यक्रम

संतजी ने विद्यार्थियों को सदैव शिक्षा, अनुशासन और कठोर परिश्रम का संदेश दिया - सिद्धभाऊ

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

संत हिरदाराम साहिब जी जैसे संत विरले ही होते हैं, जिनका सम्पूर्ण जीवन त्याग, सेवा और समाज के उत्थान को समर्पित रहा। संतजी ने विद्यार्थियों को सदैव शिक्षा, अनुशासन और कठोर परिश्रम का संदेश दिया।÷ ये विचार संत सिद्ध भाऊजी ने संत हिरदाराम सभागार में संत हिरदाराम साहिब की 119वीं जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए व्यक्त किए। जीव सेवा संस्थान और शहीद हेमू कलानी एजुकेशनल सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में अंतर-विद्यालयीन निबंध लेखन और तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता का अंतिम चरण और पुरस्कार वितरण समारोह भी हुआ। इस प्रतियोगिता में संत नगर के विभिन्न प्रतिष्ठित विद्यालयों से चुने गए छात्रों ने भाग लिया। यह प्रतियोगिता तीन चरणों में आयोजित की गई थी। पहले चरण में 1 से 6 सितंबर तक विद्यालय स्तर पर प्रतियोगिताएँ हुईं, जिसके बाद 8 सितंबर को चयनित प्रतिभागियों का पंजीकरण किया गया। 12 सितंबर को अंतिम चरण और पुरस्कार वितरण कार्यक्रम हुआ। जीव सेवा संस्थान के सचिव महेश दयारामानी ने संत हिरदाराम जी के जीवन को सेवा हो सके। कार्यक्रम का संचालन शशि नाथ और सिमरन ने किया। अंत में अकादमिक निदेशक गोपाल गिरधानी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

प्रतियोगिता के विजेता

अंग्रेज़ी वर्ग- नवनिध हासोमल लखानी पब्लिक स्कूल की गरिमा लालवानी प्रथम रहीं। चिल्ड्रन्स होप इंडिया गर्ल्स स्कूल की सहज बघेल ने पहला स्थान प्राप्त किया।

तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता

हिंदी वर्ग- मिठी गोबिंदराम पब्लिक स्कूल के देव तिवारी प्रथम रहे। **अंग्रेज़ी वर्ग-** नवनिध हासोमल लखानी पब्लिक स्कूल की नुपुर लालवानी ने पहला स्थान हासिल किया। विजेताओं को 2500, 2000, 1500, 1000 और 500 की नकद राशि के साथ प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिन्ह और ट्रॉफी से सम्मानित किया गया।

विभिन्न विद्यालयों की भागीदारी

इस आयोजन में नवनिध हासोमल लखानी पब्लिक स्कूल, मिठी गोविंदराम पब्लिक स्कूल, चिल्ड्रन्स होप इंडिया गर्ल्स स्कूल, किशनचंद टी. शाहानी हायर सेकेंडरी स्कूल, आनंदराम टी. शाहानी गर्ल्स हाई स्कूल, लक्ष्मीदेवी विक्योमल श्रॉफ हायर सेकेंडरी स्कूल, साधु वासवानी स्कूल, मुकिता इंटरनेशनल स्कूल, केवल चैनराय पब्लिक स्कूल और दीपमाला पगारानी संस्कार पब्लिक स्कूल के छात्रों ने भाग लिया।

कपड़ा एसोसिएशन के अध्यक्ष कन्हैयालाल इसरानी होंगे पंचायत के संयोजक

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

सामाजिक संस्था सिंधी सेन्ट्रल पंचायत अब राष्ट्रीय सिंधी सेन्ट्रल पंचायत बन गई है। यह निर्णय सिंगापुर में आयोजित पंचायत के सम्मेलन में सर्वसम्मति से लिया गय। सम्मेलन में सिंगापुर सिंधी एसोसियेशन के 10 पदाधिकारियों एवं दुबई व भारत के कोने कोने से पहुंचे अन्य 110 प्रतिनिधियों कुल 120 डेलीगेट्स शामिल हुए। विदेशों व भारत के कोने कोने से आए प्रतिनिधियों ने इसका सदस्य बनने की सहमति दी। वर्तमान में सिंधी सेन्ट्रल पंचायत के अध्यक्ष चन्द्रप्रकाश इसरानी एवं महासचिव सुरेश जसवानी अपने पदों पर बने रहेंगे इसके अलावा प्रकाश मीरचंदानी, रमेशलाल असवानी, ईश्वरदास हिमथानी एवं वासुदेव वाधवानी भी पूर्व की तरह संरक्षक होंगे। सिंगापुर सिंधु भवन में हुए सम्मेलन में यह भी निर्णय लिया गया कि पंचायत के मलेशिया-सिंगापुर पारिवारिक टूर के संयोजक एवं संत हिरदाराम नगर के कपड़ा कारोबारियों की अग्रणी संस्था थोक वस्त्र व्यवसाय संघ के अध्यक्ष कन्हैयालाल इसरानी अब सिंधी सेन्ट्रल पंचायत के संयोजक होंगे। इधर सिंधी सेन्ट्रल पंचायत के अध्यक्ष चन्द्रप्रकाश इसरानी ने बताया कि पंचायत के विदेशी धरती पर आयोजित सम्मेलन में शामिल प्रतिनिधियों के अलावा देशभर के 20 से अधिक प्रदेशों के समर्पित एवं जुझारू सिंधी समाज सेवियों को राष्ट्रीय सिंधी सेन्ट्रल पंचायत में शामिल करने का निर्णय लिया गया है। इसके लिए अनेक शहरों के वरिष्ठ समाज सेवियों एवं सिंधी समाज के उत्थान में रूचि रखने वालों ने अपनी सहमति प्रदान की है, और जल्द ही बैठक का आयोजन कर राश्ट्रीय स्तर पर इसके कार्यकारिणी की घोषणा की जाएग।

आदिवासी अंचल में बोले सीएम, कांग्रेस ने बहनों की नहीं की चिंता

झाबुआ। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने झाबुआ के पेटलावद से प्रदेश की 1.29 करोड़ लाड़ली बहनों के खातों में 1541 करोड़ रुपए की 28वीं किश्त ट्रांसफर की है। हर लाभार्थी के अकाउंट में 1250-1250 रुपए आए हैं। सीएम ने कहा कि इस दीपावली के बाद 1500 रुपए लाड़ली बहनों के खाते में दिए जाएंगे। सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा कि कांग्रेसी कहते हैं कि बहनें दारू पी जाती हैं। ऐसे कांग्रेसियों को घर में घुसने मत देना। वे मोहल्ले में आएं, तो आने मत देना। बहनों का अपमान कभी बर्दाश्त करने वाले नहीं हैं। बहनों को अपमानित करते हैं। कांग्रेस ने कभी बहनों को फूटी कौड़ी नहीं दी। कभी बहनों की चिंता नहीं की। कांग्रेसी केवल वोट मांगते हैं। झूठ बोलते हैं।

मप्र में 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक मनाया जायेगा सेवा पखवाड़ा

भोपाल। मुख्य सचिवअनुराग जैन ने मंत्रालय में प्रदेश में 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक चलने वाले सेवा पखवाड़ा में प्रदेश में अनेक गतिविधियाँ आयोजित किये जाने के संबंध में बैठक ली। मुख्य सचिवजैन ने कहा कि सभी विभाग अपनी गतिविधियाँ निर्धारित कर लें। दो कार्यक्रमों का प्रदेश में शुभारंभ होगा। इनमें राष्ट्रीय पोषण माह एवं स्वस्थ नारी-सशक्त परिवार अभियान शामिल है। सभी कार्यक्रम इस तरह किये जायें कि प्रदेश वर्ष 2029 तक देश के औसत से आगे आ सके। नगरीय विकास एवं पंचायत एवं ग्रामीण विकास सेवा पखवाड़ा में स्वच्छता कार्यक्रमों से जनता को जोड़ें। उन्होंने कहा कि खाने के तेल की खपत को 10 प्रतिशत घटाने को अभियान में शामिल किया जाये।

नर्मदा के दोनों किनारों से 5 किमी तक माफिया खदेड़े जाएंगे

नर्मदा की धारा बचाने सरकार जंगल माफिया और जमीन कब्जाने वालों पर लेगी बड़ा एक्शन

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

मध्यप्रदेश में अब नर्मदा की जलधारा बनाए रखने के लिए 20 साल में पहली बार जंगल माफिया और अतिक्रमणकारियों पर सरकार बड़ी कार्रवाई करने जा रही है। दोनों किनारों से 5 किमी दूर तक माफिया खदेड़े जाएंगे। अतिक्रमणकारियों की भी खैर नहीं। पुख्ता कार्रवाई के लिए सैटेलाइट इमेजनरी का इस्तेमाल होगा। दिसंबर 2005 के बाद कैचमेंट वाला जंगल कब्जाने वालों पर पहले चरण में कार्रवाई होगी।

दूसरे चरण में राजस्व क्षेत्र में अभियान चलेगा- सीएम डॉ. मोहन यादव के निर्देश के बाद वन विभाग के अपर मुख्य सचिव वन बल के प्रमुख को करवाई करने को कहा है। उच्च स्तर पर हुई शिकायतों के बाद किये गए सर्वे में सामने आया है कि खनन और वन माफिया ही नहीं बड़ी संख्या में नदी के किनारे व्यावसायिक गतिविधियां भी चलाई जा रही हैं।

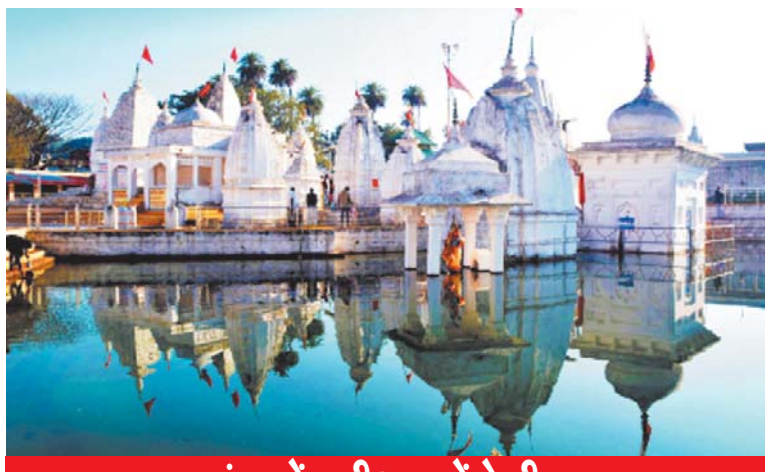

नवंबर में समीक्षा करेंगे सीएम

अतिक्रमण समेत नर्मदा से जुड़े मामलों की सीएम नवंबर में समीक्षा करेंगे। तब तक कार्रवाई हो जाएगी। वन बल प्रमुख अंबाड़े ने बताया कि बारिश थमते ही कार्रवाई होगी।इन क्षेत्रों में कई जगह माफिया ने अवैध रूप से कब्जा कर रखा है। हालात यह है कि छोटे स्तर पर रिसॉर्ट, रेस्टोरेंट तक खुल गए हैं। इसके अलावा कुछ लोगों ने कच्चे-पक्के मकान, भी तान दिए हैं। इसके लिए पेड़ों की

कटाई की गई, जो कि गर्मी के दिनों में नदी में जल स्तर गिरने की प्रमुख वजहों में से एक है। एसीएस वन ने भी पत्र में कहा कि नर्मदा ग्लेशियर से नहीं निकलती, बल्कि जलग्रहण क्षेत्र में पाए जाने वाले वनों से वर्ष भर जल प्राप्त कर बहती है। विशेषज्ञों की मानें तो नर्मदा के कैचमेंट को संरक्षित नहीं किया तो आने वाले बरसों में जल-संकट गहरा जाएगा। धार्मिक घाटों का वैभव भी फीका पड़ेगा।

नर्मदा में प्रदूषण भी कम नहीं..

नर्मदापुरम में भी नर्मदा की हालत बेहद खराब है। यहां घरों से निकलने वाला गंदा पानी नालियों के जरिए सीधे नदी में मिल रहा है। इससे नर्मदा जल बी ग्रेड हो गया है। एनजीटी की सख्ती के बाद प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की टीम ने हाल ही में सीवरेज ट्रीटमेंट योजना का निरीक्षण किया। लगभग छह स्थानों से नाले नर्मदा में मिल रहे हैं। नर्मदा के कैचमेंट में कब्जे के अलावा दूसरी बड़ी समस्या घाटों व बीच धारा से अवैध रूप से उत्खनन की है। गर्मी में नर्मदापुरम जैसे कई जिलों में ऐसी घटनाएं लगातार सामने आती हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि अवैध उत्खनन ने नदी तंत्र को बर्बाद कर दिया है। इस पर रोक नहीं लगाई तो नर्मदा का अस्तित्व संकट में पड़ जाएगा।

राजस्थान, ओडिशा, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़ टॉप फाइव में

मनरेगा में आदिवासियों को रोजगार देने में एमपी अव्वल 15 से अधिक को मिला काम

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

मध्यप्रदेश सरकार आदिवासी वर्ग को मनरेगा से रोजगार उपलब्ध कराने में देश में अव्वल रही है। आदिवासी वर्ग के लोगों को रोजगार देने के मामले में पहले पायदान पर रहने वाले एमपी के अलावा टॉप 5 राज्यों में राजस्थान, ओडिशा, आंध्रप्रदेश, छत्तीसगढ़ शामिल हैं। एमपी को यह उपलब्धि चालू वित्त वर्ष में मिली है। मनरेगा के माध्यम से खेत तालाब, अमृत सरोवर, डगवेल रिचार्ज संरचना निर्माण, ग्रामीण सड़कों का निर्माण व मरम्मत, पौधरोपण, बोरी बंधान, मेड़ बंधान, चेक-डैम, भूमि समतलीकरण, बागवानी, पशु शेड निर्माण के कार्य कराए जाते हैं।

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के क्रियान्वयन के दौरान वर्ष 2025-26 में मध्य प्रदेश आदिवासी वर्ग को सर्वाधिक रोजगार देने वाले राज्यों में शामिल हुआ है। प्रदेश में कुल 62 लाख 56 हजार परिवार जॉबकार्ड धारी परिवारों के 1 करोड़ से अधिक श्रमिक सक्रिय रूप से पंजीकृत हैं।

वर्ष 2025-26 में मनरेगा अंतर्गत प्रदेश में 32 लाख से अधिक परिवारों को रोजगार उपलब्ध कराया गया। इस अवधि में 47 लाख 38 हजार श्रमिकों ने विभिन्न कार्यों में भाग लिया जिनमें से 10 लाख 37 हजार परिवारों के 15 लाख 81 हजार श्रमिक अनुसूचित जनजाति वर्ग से थे। प्रदेश में कुल सृजित मानव दिवस 11 करोड़ 55 लाख में से 3 करोड़ 53 लाख मानव दिवस आदिवासी परिवारों द्वारा सृजित किया गया, जो कि अन्य प्रदेशों की तुलना में अधिक है।

मनरेगा में प्रदेश में किए जाने वाले कार्य

मनरेगा के माध्यम से प्रदेश में विभिन्न प्रकार के सामुदायिक एवं हितग्राही मूलक विकास कार्य किए जा रहे हैं, जिनमें खेत तालाब, अमृत सरोवर, डगवेल रिचार्ज जैसे संरचनाओं का निर्माण, ग्रामीण सड़कों का निर्माण व मरम्मत, व्यापक स्तर पर पौधरोपण, बोरी बंधान, मेड़ बंधान, चेक-डैम, भूमि समतलीकरण, बागवानी, पशु शेड निर्माण एवं अन्य ग्रामीण विकास कार्य शामिल हैं।

आर्थिक रूप से बनाया जा रहा समृद्ध

मनरेगा आयुक्त अवि प्रसाद ने बताया कि प्रदेश सरकार का लक्ष्य आदिवासी वर्ग के परिवारों को केवल रोजगार देना ही नहीं, बल्कि उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर और समृद्ध बनाना भी है। प्रदेश में वर्ष 2025-26 में मनरेगा योजना के अंतर्गत अब तक देशभर में सबसे अधिक आदिवासी वर्ग के जरूरतमंद परिवारों को रोजगार उपलब्ध कराया गया है।

पंजीकृत शिक्षकों को दक्षता के लिये दिया जायेगा प्रशिक्षण

मिशन कर्मयोगी में स्कूल शिक्षा विभाग ने 2.30 लाख शिक्षकों का किया पंजीयन

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

स्कूल शिक्षा विभाग ने कार्यरत कर्मचारियों की संख्या के आधार पर पंजीकरण कर मिशन कर्मयोगी में 55 विभागों में 100 प्रतिशत उपलब्धि हासिल कर प्रथम स्थान प्राप्त किया है। प्रदेश में 2 लाख 30 हजार शिक्षकों का igot पोर्टल पर प्रशिक्षण देने के लिये पंजीकरण किया गया है। स्कूल शिक्षा विभाग ने केन्द्र सरकार के मिशन कर्मयोगी योजना में सरकारी शिक्षकों की कार्य क्षमता प्रशिक्षण के माध्यम से बढ़ाने के लिये मुहिम शुरू की है। देश में इस कार्यक्रम की शुरूआत प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर मिशन कर्मयोगी के नाम पर की

गई है। मिशन कर्मयोगी में यह निर्णय लिया गया है कि देश में सरकारी अधिकारी और कर्मचारियों को 3 प्रकार से प्रशिक्षण दिया जाए, इसमें 70 प्रतिशत प्रशिक्षण डिजिटल माध्यम से दिया जायेगा। योजना में 20 प्रतिशत प्रशिक्षण ग्रुप डिस्कशन के माध्यम से और 10 प्रतिशत प्रशिक्षण प्रत्यक्ष मोड से होंगे।

15 सितम्बर से शुरू होगा कार्यक्रम

केन्द्र सरकार के निर्देश पर प्रदेश में 15 से 19 सितम्बर 2025 तक कर्मयोगी igot पर सीखें सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। इस सप्ताह के दौरान राज्य सरकार के प्रत्येक अधिकारी-कर्मचारी को न्यूनतम 2 प्रशिक्षण प्राप्त करना अनिवार्य किया है। इस संबंध में स्कूल शिक्षा विभाग ने व्यापक निर्देश जारी किये है। इस कार्य के लिये विभाग ने प्रत्येक जिले में जिला परियोजना समन्वयक और अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक को नोडल अधिकारी बनाया है।

प्रदेश में 2 अक्टूबर से प्रारंभ होगा दुग्ध समृद्धि सम्पर्क अभियान

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा अनुरूप प्रदेश के किसानों की पशुपालन के माध्यम से आय बढ़ाने और दुग्ध उत्पादन को दोगुना करने के लक्ष्य को पूरा करने के उद्देश्य से प्रदेश में 2 अक्टूबर से दुग्ध समृद्धि सम्पर्क अभियान प्रारंभ किया जायेगा। अभियान के अंतर्गत गाँव-गाँव पशुपालकों से व्यक्तिश- सम्पर्क किया जायेगा और उन्हें पशुओं में नस्ल सुधार, पशु स्वास्थ्य एवं पोषण के संबंध में जागरूक किये जाने के साथ आवश्यक मार्गदर्शन भी दिया जायेगा। अभियान 3 चरणों में चलाया जायेगा। इसकी शुरूआत 2 अक्टूबर को ग्राम सभाओं से की जायेगी। अभियान 9 अक्टूबर तक चलेगा। प्रमुख सचिव पशुपालन एवं डेयरी विकास श्री उमाकांत उमराव ने मंत्रालय में अभियान की तैयारियों संबंधी बैठक ली।

भोपाल में फर्जी लेटरपैड से जमीन पर कब्जे का मामला

रोहित हाउसिंग सोसाइटी घोटाले के मास्टरमाइंड पर नया केस , भाजपा के लेटरपैड का किया इस्तेमाल

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

रोहित हाउसिंग सोसाइटी घोटाले के मास्टरमाइंड घनश्याम राजपूत और उनके बेटे विशाल राजपूत के खिलाफ कोलार थाने में धोखाधड़ी का नया मामला दर्ज हुआ है। यह एफआईआर कोर्ट के आदेश पर शुक्रवार को की गई।

पुलिस के अनुसार आरोपी घनश्याम ने भोपाल के देहरी कला स्थित फरियादी सौरभ जैन की जमीन पर कब्जा जमाने के लिए भारतीय जनता पार्टी का फर्जी लेटरपैड इस्तेमाल किया। इस लेटरपैड पर खुद को उन्होंने भाजपा के ÷प्रधानमंत्री जन कल्याण प्रकोष्ठ÷ का सहसंयोजक बताया। जबकि जांच में स्पष्ट हुआ कि भाजपा में ऐसा कोई प्रकोष्ठ है ही नहीं। भाजपा प्रदेश कार्यालय की ओर से भी बयान दिया गया कि प्रधानमंत्री जन कल्याण योजना प्रकोष्ठ नाम से पार्टी का कोई स्थायी प्रकोष्ठ नहीं है। न ही घनश्याम सिंह राजपूत को कभी इस पद पर नियुक्त किया गया। इससे साफ हो गया कि आरोपियों ने प्रधानमंत्री और भाजपा के नाम का दुरुपयोग किया। सौरभ जैन ने इस फर्जी लेटरपैड के आधार पर भोपाल डीसीपी को शिकायत भी दी थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए लेटरपैड की जांच भाजपा कार्यालय से कराई गई। जहां पूरे मामले का खुलासा हुआ।

कोर्ट से दर्ज हुई एफआईआर

फरियादी की ओर से एडवोकेट सोनल नायक ने कोर्ट में पूरे मामले की जानकारी दी। कोर्ट के आदेश के बाद ही कोलार थाना पुलिस ने धोखाधड़ी का केस दर्ज किया। घनश्याम राजपूत पहले से ही कई मामलों में आरोपी है। भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत सीबीआई कोर्ट से उसे चार साल की सजा हो चुकी है। इसके अलावा ईओडब्ल्यू में भी उसके खिलाफ तीन मामले दर्ज हैं। रोहित हाउसिंग सोसाइटी घोटाले में घनश्याम राजपूत को मास्टरमाइंड माना जाता है। ईओडब्ल्यू की जांच में संस्था के खातों से करीब 22 करोड़ रुपए की हेराफेरी का खुलासा हुआ था।

लाडली बहनों को 1250 देने पर दिग्गी ने उठाए सवाल

भोपाल, दोहपर मेट्रो

मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने भाजपा सरकार की लाडली बहना योजना पर सवाल खड़े किए हैं। सिंह ने कहा कि 1250 रुपए की राशि से महिलाएं अपने परिजनों का प्राइवेट अस्पतालों में इलाज नहीं करवा सकतीं, न ही अच्छे सरकारी स्कूलों के अभाव में बच्चों को प्राइवेट स्कूलों में पढ़ा सकती हैं और न ही बिजली के बिल का भुगतान कर सकती हैं। उन्होंने लिखा कि क्या ये पैसा इनके मामा के घर से आता है?

दिग्विजय सिंह ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा 1.26 करोड़ लाडली बहनों के खाते में 1250 रुपए भेजने के अगले दिन शनिवार सुबह एक्स (ट्विटर) पर यह प्रतिक्रिया दी। उन्होंने अपने ट्वीट में लिखा लाडली बहनों को 1250 रुपए देकर मचाया जाने वाला शोर कई प्रश्न खड़े करता है। पूर्व सीएम ने सवाल उठाया कि जब महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की बात होती है तो सरकार क्यों उन्हें स्थायी रोजगार और अच्छा वेतनमान देने के बजाय सिर्फ सहायता राशि तक सीमित रख रही है। उन्होंने संघ प्रमुख मोहन भागवत के उस बयान का भी जिक्र किया जिसमें तीन संतानों को जन्म देने की बात कही गई थी और सवाल किया कि सरकार इसे क्यों अनदेखा कर रही है।

मेट्रो एंकर प्रदेश के 9300 हाई एवं हायर सेकेण्डरी स्कूलों में मनाया गया उमंग दिवस

उमंग है तो जिंदगी में रंग है.... उमंग है तो प्रगति में संग है

भोपाल, दोहपर मेट्रो

उमंग है तो जिंदगी में रंग है... उमंग है तो प्रगति में संग है इस थीम पर आधारित उमंग दिवस का आयोजन प्रदेश के 9 हजार 300 हाई एवं हायर सेकेंडरी स्कूलों में हुआ। इस कार्यक्रम में 20 लाख से अधिक बच्चों की भागीदारी रही। भोपाल के शिवाजी नगर स्थित सुभाष उत्कृष्ट विद्यालय में उमंग कार्यक्रम मनाया गया। कार्यक्रम में समग्र शिक्षा अभियान की अपर परियोजना प्रबंधक श्रीमती मनीषा सेंतिया, संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यूएनएफपीए) के राज्य प्रमुख सुनील जैकब, कार्यक्रम अधिकारी अनुराग सोनवलकर, डीईओ नरेन्द्र अहिरवार और मोटिवेशनल स्पीकर के रूप में उमंग के नोडल अधिकारी अंकुश वर्मा ने भाग लिया।

मोटिवेशनल स्पीकर वर्मा ने बताया कि उमंग स्कूल हेल्थ एंड वैलनेस कार्यक्रम बच्चों के जीवन कौशल शिक्षा आधारित एक ऐसा करिकुलम जो खुद से खुद की पहचान करना सिखाता है। उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम बच्चों को नजरों से नजरें मिलाकर मिलना सिखाता है। बच्चों को यह सिखाता है कि प्रत्येक बच्चे की प्रकृति अलग है। बच्चों को हर परिस्थिति में सामंजस्य बनाने और प्रगति की ओर बढ़ते रहने की उमंग को मजबूत करता है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा निर्धारित 10 जीवन कौशलों से परिचित करवाना है। कार्यक्रम की जीवन कौशल सलाहकार सुतबस्सुम खान ने बच्चों को जीवन में सकारात्मकता के साथ आगे बढ़ने के बारे में जानकारी दी।

उमंग स्कूल हेल्थ एवं वेलनेस प्रोग्राम है, जिसे स्कूल शिक्षा, स्वास्थ्य विभाग और यूनाइटेड नेशन्स पापुलेशन फण्ड की बराबर भागीदारी से मिलकर चलाया जा रहा है। राज्य में अब तक 19 हजार शिक्षकों को उमंग के लिये प्रशिक्षित किया जा चुका है।

शांति प्रयासों पर चोट

कतर की राजधानी दोहा में इजरायल के हवाई हमलों ने गाजा में संघर्ष विराम की उम्मीदों को धुंधला कर दिया है। ये हमले जितने अप्रत्याशित लगते हैं, उतने ही गैरजरूरी भी - खासकर जब शांति के लिए बातचीत चल रही हो। बड़ी बात कि इसके लिए अमेरिका को भी भरोसे में नहीं लिया गया था।

सकते में अमेरिकाः इजरायल की कार्रवाई ने ट्रंप एडमिनिस्ट्रेशन को गहरे असमंजस में डाल दिया है। कतर और इजरायल, दोनों ही वॉशिंगटन के करीबी सहयोगी हैं। हमास के साथ वार्ता में कतर मध्यस्थ की भूमिका निभाता रहा है। अब तक उसकी धरती पर सभी पक्षों के बीच कई दौर की बातचीत हो चुकी है। जब इजरायली एयर स्ट्राइक हुई, उस वक्त भी हमास के टॉप लीडर मीटिंग के लिए वहां जुटे थे।

कतर बीच की कड़ीः कतर ने इस हमले पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। भले ही निशाना वह न हो, लेकिन इजरायल का हमला सीधे तौर पर उसकी संप्रभुता और उसके अधिकार क्षेत्र के खिलाफ था। अब देखने वाली बात होगी कि क्या कतर पहले की तरह हमास-इजरायल वार्ता में रुचि दिखाता है? कतर की भूमिका इसलिए अहम हो जाती है, क्योंकि उस पर सभी पक्षों को भरोसा है। पूरे संघर्ष के दौरान वह हमास और इजरायल के सीधे संपर्क में रहा है। उसके शांति प्रक्रिया से हटने पर बीच की कड़ी टूटने का डर है।

इजरायल पर अविश्वासः गाजा में जंग शुरू हुए दो साल होने को हैं और इस बीच ऐसे कई मोड़ आए, जहां लगा कि संघर्ष फैल सकता है। इजरायल ने पिछले साल सितंबर में लेबनान में हिज्बुल्लाह पर हमले किए थे। फिर इस साल जून में ईरान के खिलाफ युद्ध का ऐलान कर दिया। अब इस ताजा हमले ने उसके प्रति अविश्वास को और बढ़ा दिया है। इसके बाद यह सवाल और तीखा हो जाएगा कि नेतन्याहू क्या वाकई में शांति चाहते हैं?

लोगों पर संकटः शांति प्रक्रिया को किसी भी तरह का झटका लगता है, तो सबसे ज्यादा नुकसान होगा गाजा के लोगों का, जो भयावह मानवीय त्रासदी से जूझ रहे हैं। कतर पर एयरस्ट्राइक से कुछ घंटों पहले ही इस्राइल ने गाजा को खाली करने की चेतावनी जारी की थी। इस्राइली सेना जमीनी स्तर पर बड़ा सैन्य अभियान चलाने की योजना बना रही है। हालांकि वैश्विक स्तर पर इसकी आलोचना हो रही है। ह ने चेताया है कि गाजा में पहले ही अकाल घोषित है, अब अगर वहां लड़ाई तेज होती है, तो आम लोग और भी गंभीर संकट में घिर जाएंगे।

सुविचार

मैं अकेली हूं लेकिन फिर भी मैं हूं
मैं सब कुछ नहीं कर सकती
लेकिन मैं कुछ तो कर सकती हूं।
- हेलन केलर

निशाना

असल में तो गिरा है आदमी..!

-घनश्याम मैथिल 'अमृत'

उठा कर देखता हूं
जब भी अखबार
उद्घाटन से पहले गिर गया पुल
पढ़ता हूं समाचार, गिर गई नई
बनी बिल्डिंग भरभराकर यह
पढ़कर मैं अंदर तक
जाता हूं डर, देखता हूं आजकल
रोज गिर रहे पहाड़, फटकर गिर
रहे बादल मारकर दहाड़, अरे
दोस्तो यह कैसी अजब मन
मानी है लगता है जैसे सबने
गिरने की ठानी है,
असल में जब गौर किया तो
पाया यह सब है माया के लिए
इंसान के गिरने की माया, यह
प्रगति के नाम पर विनाश का
घालमेल है यह नियति नहीं
उसकी नीयत का खेल है,
प्रकृति न है रूष्ट न
यह उसका कोप है यह तो बस
गिरे हुए आदमी का दूसरे पर
बस मिथ्या आरोप है।

हिंदी दिवस -14 सितंबर पर विशेष..

हिंदी हैं हमः 2030 तक दुनिया का हर पांचवां व्यक्ति बोलेगा हिंदी

■ **प्रो. (डॉ.) संजय द्विवेदी**

भाषा संवाद संप्रेषण का सशक्त माध्यम है। मनुष्य को इसलिए भी परमात्मा की श्रेष्ठ कृति कहा जाता है कि वह भाषा का उपयोग कर अपने भावों को अभिव्यक्त करने में सक्षम है। यही विशेषता है, जो मनुष्य को अन्य प्राणियों से भिन्न करती है। हिंदी एक बहुआयामी भाषा है। यह बात इसके प्रयोग क्षेत्र के विस्तार को देखते हुए भी समझी जा सकती है। यह अलग बात है कि हिंदी भाषा की बात करते समय हम सामान्यतः हिंदी साहित्य की बात करने लगते हैं। इसमें संदेह नहीं कि साहित्यिक हिंदी, हिंदी के विभिन्न आयामों में से एक है, लेकिन यह केवल हिंदी के एक बड़े मानचित्र का छोटा-सा हिस्सा है, शेष आयामों पर कम विचार हुआ है और व्यावहारिक हिंदी की पृष्ठभूमि पर विचार करते हुए तो और भी कम विमर्श हमारे सामने हैं।

यदि हिंदी भाषा के आंतरिक इतिहास का उद्घाटन करना हो तो नामकरण ही उसका आधार बन सकता है। हिंदी, हिंदवी, हिन्दुई और दकिनी के विकास क्रम में यह स्पष्ट दिखाई देता है कि अलग-अलग समय में एक ही भाषा के भिन्न नाम प्रचलित रहे हैं। हिंदी भाषा का इतिहास लगभग एक हजार वर्ष पुराना है। यह करीब 11वीं शताब्दी से ही राष्ट्रभाषा के रूप में प्रतिष्ठित रही है। उस समय भले ही राजकीय कार्य संस्कृत, फारसी और अंग्रेजी में होते रहे हों, लेकिन संपूर्ण राष्ट्र में आपसी संपर्क, संवाद, संचार, विचार, विमर्श, जीवन और व्यवहार का माध्यम हिंदी ही रही है।

भारतेंदु हरिश्चन्द्र, स्वामी दयानन्द सरस्वती, महात्मा गांधी जैसे महापुरुषों ने राष्ट्रभाषा हिंदी के माध्यम से ही संपूर्ण राष्ट्र से सम्पर्क किया और सफलता हासिल की। इसी कारण आजादी के पश्चात संविधान-सभा द्वारा बहुमत से 'हिंदी' को राजभाषा का दर्जा देने का निर्णय किया था। जैसे-जैसे भाषा का विस्तार क्षेत्र बढ़ता जाता है, वो भाषा उतने ही अलग-अलग रूप में विकसित होना शुरू हो जाती है, यही हिंदी भाषा के साथ हुआ, क्योंकि यह भाषा पहले केवल बोलचाल की भाषा तक ही सीमित थी। उसके बाद साहित्यिक भाषा के क्षेत्र में इसे जगह मिली, और फिर समाचार-पत्रों में 'हिंदी पत्रकारिता' का विकास हुआ। अपनी अनवरत यात्रा के कारण स्वतन्त्रता के बाद हिंदी, भारत की राजभाषा घोषित की गई तथा उसका प्रयोग कार्यालयों में होने लगा और हिंदी का एक राजभाषा का रूप विकसित हुआ।अगर हम आंकड़ों में हिंदी की बात करें तो 260 से ज्यादा विदेशी विश्वविद्यालयों में हिंदी पढ़ाई जाती है। 64 करोड़ लोगों की हिंदी मातृभाषा है। 24 करोड़ लोगों की दूसरी और 42 करोड़ लोगों की तीसरी भाषा हिंदी है। इस धरती पर 1

अरब 30 करोड़ लोग हिंदी बोलने और समझने में सक्षम हैं। 2030 तक दुनिया का हर पांचवा व्यक्ति हिंदी बोलेगा। यूएई और फिजी जैसे देशों में हिंदी को तीसरी राजभाषा का दर्जा प्राप्त है। हिंदी की देवनागरी लिपि वैज्ञानिक लिपि मानी जाती है, ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी में 18 हजार शब्द हिंदी के शामिल हुए हैं, और सबसे बड़ी बात कि जो तीन साल पहले अंग्रेजी इंटरनेट की सबसे बड़ी भाषा थी, अब हिंदी ने उसे पीछे छोड़ दिया है। गूगल सर्वेक्षण बताता है कि इंटरनेट पर डिजिटल दुनिया में हिंदी सबसे बड़ी भाषा है।

अक्सर ये प्रश्न पूछा जाता है कि हिंदी ही हमारी राजभाषा क्यों? इसका जवाब बहुत पहले राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने दिया था। महात्मा गांधी ने किसी भाषा को राजभाषा का दर्जा दिये जाने के लिए तीन लक्षण बताए थे। पहला कि वो भाषा आसान होनी चाहिए। दूसरा प्रयोग करने वालों के लिए वह भाषा सरल होनी चाहिए। और तीसरा उस भाषा को बोलने वालो की संख्या अधिक होनी चाहिए। अगर ये तीनों लक्षण किसी भाषा में थे, हैं और रहेंगे, तो वो सिर्फ हिंदी भाषा ही है। आज भाषा को लेकर संवेदनशील और गंभीरतापूर्वक विचार करने की आवश्यकता है। इस सवाल पर भी सोचना चाहिए कि क्या अंग्रेजी का कद कम करके ही हिंदी का गौरव बढ़ाया जा सकता है? जो हिंदी कबीर, तुलसी, रैदास, नानक, जायसी और मीरा के भजनों से होती हुई प्रेमचंद, प्रसाद, पंत और निराला को बांधती हुई, भारतेंदु हरिशचंद्र तक सरिता की भांति कलकल बहती रही, आज उसके मार्ग में अटकले क्यों हैं?

यदि हम सच में चाहते हैं कि हिंदी भाषा का प्रभुत्व राजभाषा के रूप में बना रहे, तो हमें इसके प्रचार-प्रसार को बढ़ावा देना होगा। सरकारी कामकाज में हिंदी को प्राथमिकता देनी होगी। ऐसे में भरोसा फिर उन्हीं नौजवानों का करना होगा, जो एक नए भारत के निर्माण के लिए तैयार हैं। जो अपनी जड़ों की ओर लौटना चाहते हैं। भरोसे और आत्मविश्वास से दमकते ऐसे तमाम चेहरों का इंतजार भारत कर रहा है। ऐसे चेहरे, जो भारत की बात भारत की भाषाओं में करेंगे। जो अंग्रेजी में दक्ष होंगे, किंतु अपनी भाषाओं को लेकर गर्व से भरे होंगे। उनमें 'एचएमटी' यानी 'हिंदी मीडियम टाइप' या 'वर्नाकुलर पर्सन' कहे जाने पर हीनता पैदा नहीं होगी, बल्कि वे अपनी भाषा से और अपने काम से लोगों का और दुनिया का भरोसा जीतेंगे।

हिंदी और भारतीय भाषाओं के इस समय में देश ऐसे युवाओं का इंतजार कर है, जो अपनी भारतीयता को उसकी भाषा, उसकी परंपरा, उसकी संस्कृति के साथ समग्रता में स्वीकार करेंगे। जिनके लिए परंपरा और संस्कृति एक बोझ नहीं, बल्कि गौरव का कारण होगी। यह नौजवानी आज कई क्षेत्रों में सक्रिय दिखती है। खासकर सूचना-प्रौद्योगिकी की दुनिया में। जिन्होंने इस भ्रम को तोड़ दिया, कि सूचना-प्रौद्योगिकी की दुनिया में बिना अंग्रेजी के गुजारा नहीं है। ये लोग ही हमें भरोसा जगा रहे हैं। ये भारत को भी जगा रहे हैं। आज भरोसा जगाते ऐसे कई दृश्य हैं, जिनके श्रीमुख और कलम से व्यक्त होती हिंदी देश की ताकत है।

(लेखक माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल में जनसंचार विभाग के अध्यक्ष हैं।)

आज का इतिहास

- 1100 आज के दिन अंतरराष्ट्रीय चॉकलेट दिवस मनाया जाता है। क्योकि आज चॉकलेट का पहली बार इस्तेमाल किया गया था।
- 1229 चंगेज खान के तीसरे बेटे भदीदेई खान , मंगोल साम्राज्य के खग्रास खगन थे।
- 1541 तीन साल के निर्वासन के बाद, जॉन केल्विन जिनेवा के चर्च में सिद्धांत के एक निकाय के तहत लौट आए, जिसे कैवलिनवाद कहा जाता था।
- 1743 ब्रिटेन, ऑस्ट्रिया और सावोय-सार्डिनिया वर्म्स की संधि पर हस्ताक्षर किए गए।
- 1751 हंगरी के साम्राज्य में काल्व्हारिया बांस्काया स्तिव्निका पूरी हुई।
- 1759 अंग्रेजों ने फ्रांसीसी सेना को इब्राहीम के मैदानों पर हरा दिया।
- 1780 अमरीका के शिकागो नगर में लिफ्ट का पहला परीक्षण किया गया। इसे जॉन बेकबार्ट नामक एक अमरीकी ने बनाया था।
- 1788 न्यूयॉर्क शहर अमेरिका की पहली राजधानी बना।
- 1791 फ्रांस के लुई चौदह ने पूरा संविधान के अंतिम संस्करण को स्वीकार किया।
- 1814 बाल्टीमोर के इनर हार्बर में 1812-फोर्ट मैकहेनरी का युद्ध, बाल्टीमोर की लड़ाई के दौरान ब्रिटिश सेना द्वारा बरबाद कर दिया गया था, बाद में फ्रांसिस स्कॉट की ने द स्टार-स्पैंगल्ड बैनर लिखने के लिए कहा, जिसके कारण संयुक्त राज्य अमेरिका का राष्ट्रगान बन गया।

आतंकवाद की भूमि बनता भारत, अपनी जिम्मेदारी से भागते इस्लामी संगठन!

■ **डॉ. मयंक चतुर्वेदी**

भारत के सामने आज सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है आतंकवाद। यह चुनौती देखा जाए तो सीमा पार से आने वाली गोलियों और बारूद से कहीं अधिक खतरनाक और विध्वंसक है, क्योंकि इसमें एक खास विचारधारा भी है जो देश के भीतर युवाओं के दिमाग में धीरे-धीरे जहर भर रही है। हाल ही में दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल और सेंट्रल एजेंसियों ने जिस टेरर मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। उसमें दिल्ली, झारखंड, तेलंगाना और मध्य प्रदेश से पांच संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार किया है। संदिग्ध आतंकियों के पास से बम बनाने की सामग्री और हथियार मिले हैं। ये सोशल मीडिया के जरिए पाकिस्तानी हैंडलर्स के संपर्क में थे। वस्तुतः इनकी गिरफ्तारी सिर्फ एक घटना नहीं, बल्कि इस बात का संकेत है कि भारत की धरती पर इस्लामिक आतंकवाद की जड़ें फैलाने की कोशिशें लगातार तेज हो रही हैं।

गिरफ्तारी का नेटवर्क और पाकिस्तान की भूमिका: सुरक्षा एजेंसियों के संयुक्त अभियान में चार से पाँच राज्यों में छापेमारी की गई और आठ से अधिक लोगों से पूछताछ हुई। पुलिस ने साफ किया कि इन संदिग्धों के संबंध पाकिस्तान के आतंकी नेटवर्क से हैं और सोशल मीडिया के जरिए यह लोग लगातार विदेशों में बैठे आकाओं के संपर्क में थे। जांच एजेंसियों ने जो साक्ष्य एकत्र किए हैं, वे यह दिखाने के लिए पर्याप्त हैं कि भारत को अस्थिर करने के लिए एक संगठित प्रयास चल रहा है। अशरफ दानिश नाम का शख्स इस पूरे नेटवर्क का प्रमुख सदस्य बताया गया। वह भारत में रहकर आतंकी मॉड्यूल का संचालन कर रहा था, साथ ही मुस्लिम युवाओं को कट्टरपंथी बनाने और उन्हें आतंकी गतिविधियों की तरफ आकर्षित करने की भूमिका भी निभा रहा था।

इस दौरान पुलिस के ध्यान में यह भी आया कि इसके लिए सोशल मीडिया एक सशक्त माध्यम था जहां से ये अपनी आतंकी विचारधारा को आसानी से फैला सके। अब बार-बार इस तरह की घटनाओं को देखकर ये विश्वास हो चला है कि आज का आतंकवाद केवल बम, बारूद और हथियारों से नहीं लड़ता। उसका असली युद्धक्षेत्र युवाओं का दिमाग है। फेसबुक, टेलीग्राम, इंस्टाग्राम और व्हाट्सऐप जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म आतंकियों के लिए एक हथियार बन गए हैं। इस्लामिक स्टेट (आईएसआईएस) पहले ही यह साबित कर चुका है कि वर्चुअल खलीफत का सपना इंटरनेट के जरिए दुनिया भर के युवाओं को प्रभावित करके फैलाया जा सकता है। भारत में भी इसी तर्ज पर गुप्त ऑनलाइन समुदाय बनाए जा रहे हैं, जहाँ सांप्रदायिक नफरत, धार्मिक कट्टरता और हिंसक विचारधाराओं को परोसा जा रहा है। यही तो इस बार पकड़े गए इन संदिग्धों के पास से भी ये पैटर्न सामने आया है।

भारत की संवेदनशील जमीन और अतीत की त्रासदियाँ: भारत पूर्व भी आतंकवाद की मार झेल चुका है। 1993 के मुंबई धमाकों से लेकर 2001 के संसद हमले और 2008 के 26/11 हमलों तक हर बार जांच में पाकिस्तान-आधारित नेटवर्क का हाथ सामने आया। पुलवामा का कायराना हमला भी अब तक नहीं भुलाया जा सका। इन घटनाओं की पृष्ठभूमि बताती है कि भारत बार-बार आतंकवाद का निशाना बनता है और अब नए मॉड्यूल्स सोशल मीडिया के जरिए खड़े किए जा रहे हैं। चिंता इसलिए भी ये बड़ी है, क्योंकि भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मुस्लिम आबादी वाला देश है। यहाँ करोड़ों मुसलमान रहते हैं, जिनमें से भारी बहुमत शांतिप्रिय और कानून का पालन करने वाले नागरिक हैं। लेकिन समस्या यह है कि उनमें से ही एक वर्ग आतंकी संगठनों की नजर में आता है। वह हिंसा और गैर मुसलमानों के खिलाफ कार्य करता है, जिसे वह जिहाद की संज्ञा देता है। पहले तो चलो; कहा जाता था कि मुसलमानों में बेरोजगारी अधिक है, इसलिए युवा भटक जाते हैं, लेकिन पिछले कुछ सालों में सामने आए आर्थिक आंकड़ें तो यही बता रहे हैं कि अब देश में बहुसंख्यक हिन्दू और मुसलमानों के बीच आर्थिक और सामाजिक असमानता न के बराबर रही है। अपनी जनसंख्या के अनुपात में मुसलमानों की स्थिति कई जगह हिन्दुओं से भी बेहतर हुई है। तब फिर यह प्रश्न ही समाप्त हो जाता है कि मुसलमान युवा को बेरोजगारी के नाम पर भटकाया जा रहा है। यानी कोई अन्य तत्व अवश्य ऐसे मौजूद हैं, जोकि मुस्लिम युवा को आतंकवादी बनने के लिए प्रेरित करते हैं! ऐसे में स्वाभाविक है कि इस तरह के तत्वों को खोजा जाए, किंतु ये कार्य करे कौन ?

इस्लामी संगठनों की बढ़ती जिम्मेदारी: यहाँ एक महत्वपूर्ण प्रश्न उठता है; जब देश के भीतर युवाओं को गुमराह करने की कोशिशें हो रही हैं, तब इस्लामिक संगठनों की भूमिका क्या है? भारत में मुसलमानों के पास अपने कई बड़े और प्रभावशाली संगठन हैं। ये संगठन केवल धार्मिक मामलों तक सीमित नहीं रहते, बल्कि सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों पर भी मुखर भूमिका निभाते हैं। ऐसे में इनसे यह अपेक्षा की जाती है कि वे आतंकवाद और कट्टरपंथ के मुद्दे पर भी साफ और दृढ़ रुख अपनाएँ।

जमीयत उलमा-ए-हिन्द और जिम्मेदारी का सवाल: 1919 में स्थापित जमीयत उलमा-ए-हिन्द भारत का सबसे पुराना और बड़ा मुस्लिम संगठन है। यह दारुल उलूम देवबंद से जुड़ा माना जाता है। यह संगठन धार्मिक मार्गदर्शन, सामाजिक न्याय और कानूनी सहायता में सक्रिय रहता है। लेकिन सवाल यह है कि जब देश की सुरक्षा पर सीधा हमला हो रहा है, तो क्या जमीयत खुलकर आतंकवाद के खिलाफ खड़ा होता है? क्या यह संगठन युवाओं को संदेश देता है कि आतंकवाद इस्लाम के सिद्धांतों के खिलाफ है?

जमात-ए-इस्लामी हिन्द की विचारधारात्मक जिम्मेदारी: 1941 में बनी जमात-ए-इस्लामी हिन्द अबुल आला मौदूदी की विचारधारा से प्रभावित है। यह संस्था शिक्षा और सामाजिक कार्यों में सक्रिय है। लेकिन आलोचकों का मानना है कि इसकी विचारधारात्मक पृष्ठभूमि कहीं-न-कहीं कट्टरपंथ की जड़ों से जुड़ी है। ऐसे में इस संगठन की जिम्मेदारी दोगुनी हो जाती है कि यह साफ और सख्त शब्दों में आतंकवाद का विरोध करे और युवाओं को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए पहल करे।

देवबंद और नदवा की भूमिका: दारुल उलूम देवबंद 1866 में स्थापित एक मशहूर मदरसा है। यह इस्लामी शिक्षा और फिक़्ह का बड़ा केंद्र है, जिसकी गूँज पूरी दुनिया में सुनाई देती है। नदवतुल उलमा, लखनऊ भी पारंपरिक और आधुनिक शिक्षा को जोड़ने की कोशिश करता है। यदि ये दोनों संस्थान साफ-साफ यह कहें कि आतंकवाद और हिंसा इस्लाम के खिलाफ हैं और इसे फैलाने वाले लोग गुनहगार हैं, तो यह संदेश न केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया के मुसलमानों तक जाएगा।

राजनीतिक संगठनों की भूमिका: ऑल इंडिया मजलिस-ए-मुशावरत जैसे संगठन मुस्लिम समाज की राजनीतिक आवाज के रूप में सामने आते हैं। लेकिन जब आतंकवाद की बात आती है, तो इन संगठनों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे अपने राजनीतिक भाषणों से ऊपर उठकर राष्ट्रीय हित को प्राथमिकता दें। यदि एआईएमआईएम जैसे संगठन साफ शब्दों में आतंकवाद को नकारें और समुदाय को सतर्क करें, तो यह देश के लिए सकारात्मक संदेश होगा। वस्तुतः इन सभी संगठनों के लिए यह आवश्यक है कि अपनी जमात को बार-बार समझाएं; गैर मुसलमान के प्रति जिहाद इस्लाम के विरोध में है! क्या इन्हें ये बात नहीं समझानी चाहिए, वैसे तो कहेंगे कि इस्लाम शांति का रिलीजन, मजहब है!

यह मुस्लिम समुदाय की नैतिक जिम्मेदारी है: आतंकवादियों की संख्या चाहे कितनी भी कम हो, उनका असर पूरे समुदाय की छवि पर पड़ता है। इसलिए मुस्लिम समाज की जिम्मेदारी है कि वह आतंकवाद के खिलाफ खड़ा हो। इस्लामी संगठनों को आगे आकर यह कहना चाहिए कि आतंकवाद इस्लाम का प्रतिनिधि नहीं है। यह धर्म की गलत व्याख्या है और इसके खिलाफ सामूहिक मोर्चा खोलना जरूरी है। यदि संगठन चुप रहते हैं तो यह चुप्पी आतंकियों के लिए मौन समर्थन मानी जाएगी। केवल कश्मीर घटना के बाद कुछ जगह विरोध प्रदर्शन करने से काम नहीं चलनेवाला है, इस्लामी संगठनों को चाहिए कि वे युवाओं के बीच जाकर उन्हें जागरूक करें, सोशल मीडिया पर फैल रहे जहरीले प्रचार का जवाब दें । यदि इस्लामिक संगठन अब भी अपनी जिम्मेदारी से भागते रहे और आतंकवाद पर ढुलमुल रवैया अपनाते रहे तो यह देश के भविष्य के लिए खतरनाक होगा। समय की मांग है कि जमीयत, पर्सनल लॉ बोर्ड, जमात-ए-इस्लामी, देवबंद और नदवा जैसे संगठन साफ और सख्त शब्दों में आतंकवाद के खिलाफ खड़े हों और यह संदेश दें कि भारत में मजहब नहीं, इंसानियत सर्वोपरि है। जिसका पालन हर मुसलमान को करना अनिवार्य है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

नेपाल का लोकतंत्रः पुराने वर्चस्व से नई चुनौती तक

■ **डॉ. सत्यवान सौरभ**

नेपाल हिमालय की गोद में बसा छोटा-सा देश है। आकार में भले छोटा हो, लेकिन राजनीति और जातीय समीकरण के लिहाज से इसकी जटिलता किसी बड़े देश से कम नहीं। नेपाल पिछले तीन दशकों से लोकतंत्र का प्रयोग कर रहा है, लेकिन सच्चाई यह है कि यह लोकतंत्र अब भी अधूरा है। सत्ता और संसाधनों पर एक ही वर्ग का कब्ज़ा है–पहाड़ी ब्राह्मण और क्षत्रिय जातियाँ। संसद से लेकर प्रशासन और सेना तक, हर जगह यही जातियाँ हावी हैं। मधेशी, जनजातीय, दलित और महिलाएँ अब भी सत्ता की सीढ़ियों के निचले पायदान पर खड़ी हैं।

1990 में नेपाल में बहुदलीय लोकतंत्र की वापसी हुई थी। जनता को उम्मीद थी कि अब सत्ता में विविधता आएगी और हर समुदाय को बराबरी का अवसर मिलेगा। लेकिन हुआ इसके ठीक उल्टा। 1990 से अब तक नेपाल ने 13 प्रधानमंत्री देखे। इनमें से 10 पहाड़ी ब्राह्मण और 3 क्षत्रिय रहे। यानी 35% मधेशियों की आबादी होने के बावजूद एक भी मधेशी प्रधानमंत्री नहीं बन पाया। जनजातीय और आदिवासी समूह संसद में मौजूद हैं, लेकिन उनके नेता केवल प्रतीकात्मक पदों तक सीमित रहे। दलित और महिलाएँ तो आज भी सत्ता के सबसे हाशिये पर खड़ी हैं। यह तस्वीर बताती है कि नेपाल का लोकतंत्र कितनी गहरी जातीय असमानता से ग्रस्त है। लोकतंत्र के नाम पर चेहरे तो बदले, लेकिन सत्ता का चरित्र वही रहा–ब्राह्मण और क्षत्रिय केंद्रित। नेपाल की आधी से ज़्यादा आबादी 35 साल से कम उम्र की है। यही वह नई पीढ़ी है जिसे जनरेशन-Z कहा जाता है। यह सोशल मीडिया, पॉप कल्चर और वैश्विक राजनीति से जुड़ी हुई है। इनके लिए जाति और वंश की राजनीति पुरानी और अप्रासंगिक है। यह पीढ़ी पारदर्शिता चाहती है, समान अवसर चाहती है और सबसे बड़ी बात यह है कि यह बदलाव को केवल सोचती नहीं बल्कि मांग भी करती है। सवाल यही है कि क्या नेपाल की पुरानी सत्ता संरचना इतनी आसानी से टूट जाएगी? नेपाली कांग्रेस, रूऔर माओवादी जैसे दल दशकों से सत्ता पर काबिज हैं। इनके नेता ब्राह्मण और क्षत्रिय समुदाय से आते हैं और इनकी पकड़ प्रशासन, सेना और नौकरशाही तक फैली हुई है। सबसे बड़ी बात यह है कि सत्ता में बैठे लोग कभी आसानी से अपनी कुर्सी नहीं छोड़ते।

अगर बदलाव की इस मांग को दबाया गया, तो इसके नतीजे गंभीर होंगे। युवा पीढ़ी पहले ही अधीर है। वे सोशल मीडिया पर अपनी नाराज़गी और सपनों को साझा कर रहे हैं। अगर उनकी आवाज़ दबाई गई, तो असंतोष सड़क पर आंदोलन में बदल सकता है। नेपाल ने पहले भी जनआंदोलन देखे हैं और इतिहास गवाह है कि जब जनता चाहती है, तो कोई भी सत्ता ढांचा स्थायी नहीं रह पाता। नेपाल आज दो राहों पर खड़ा है। एक तरफ पुरानी राजनीति है, जहाँ सत्ता कुछ जातियों के बीच बंटी हुई है। दूसरी तरफ नई राजनीति है, जो समावेशी, पारदर्शी और युवाओं से जुड़ी है। असली सवाल यह है कि क्या नेपाल जातीय ढांचे वाली राजनीति से आगे बढ़ पाएगा या नहीं। अगर नेपाल ऐसा कर पाता है तो दक्षिण एशिया में एक मिसाल बन सकता है। भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश जैसे देशों में भी राजनीति अक्सर वंशवाद और जातीय समीकरण में उलझी रहती है। नेपाल अगर इस ढांचे से बाहर निकलता है तो यह पूरे क्षेत्र के लिए प्रेरणा होगी। लेकिन अगर पुरानी सत्ता संरचना कायम रहती है, तो लोकतंत्र अधूरा ही रहेगा। युवाओं का भरोसा टूटेगा और यह भरोसा टूटना किसी भी लोकतंत्र के लिए सबसे खतरनाक स्थिति होती है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

विधायक डॉ.सीताशरण शर्मा ने नाराज व्यापारियों की समस्याओं को सुना

जल भराव की समस्या का समाधान, नाले नालियों से हटाए कच्चे-पक्के अतिक्रमण

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

बाजार क्षेत्र में हो रही जल भराव की समस्या का समाधान नगरपालिका की टीम ने कर दिया है। नाले नालियों पर किए गए अतिक्रमण को पोकलेन, जेसीबी और हेमर मशीन से हटाया गया। दुकान खाली कराकर चैंबर्स भी तोड़फोड़ नाले में फंसी फर्सियां भी निकाली गई। नगरपालिका की कार्रवाई से कुछ व्यापारियों(दुकानदारों) ने नाराजगी व्यक्त की और नगर पालिका के खिलाफ नारेबाजी की।तो वही कुछ व्यापारी नगर पालिका की कार्यवाही से संतुष्ट नजर आए।

पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं विधायक डॉ सीताशरण शर्मा, विधायक प्रतिनिधि महेंद्र यादव द्वारा बाजार क्षेत्र में चल रही नगरपालिका की कार्रवाई का निरीक्षण किया गया। इस दौरान विधायक डॉ शर्मा ने नाराज व्यापारियों की समस्याओं को सुना और सिटी मजिस्ट्रेट को कार्यवाही करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने जल भराव की समस्या का समाधान करने के सख्त निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान विधायक डॉ शर्मा के साथ मंडल अध्यक्ष सागर शिवहरे, नपा उपाध्यक्ष अभय वर्मा, पार्षद प्रतिनिधि अर्पित मालवीय, पूनम मेषकर, अजय सैनी और व्यापारीगण उपस्थित रहे।

नाले में फंसी फर्सियां निकालीं और नाली का चौड़ीकरण किया

स्वच्छता निरीक्षक अनुराग तिवारी ने बताया कि पीछे नाले में टूटकर फर्सी फंस गई जिसके चलते जल निकासी में व्यवधान उत्पन्न हो रहा था। दुकान को खाली कराकर जेसीबी और पोकलेन से फर्सियां निकाली गई। फर्सियों के कारण उस चेंबर में थर्माकोल, पन्नी और कचरे की बंधी पोटली भी फंसी पाई गई। सभी को साफ कराया गया है उपयंत्री अंबक पाराशर ने बताया कि नीचे बाजार में तीन फिट की नाली को डेढ़ फीट की कर दिया गया था। मिट्टी और गाद फंसी हुई थी। जेसीबी, पोकलेन और हेमर से अतिक्रमण दल द्वारा नाली से अतिक्रमण हटाया गया और जल निकासी सुचारू कराई गई। आज भी अभियान चलाकर बचा हुआ कार्य पूरा किया जाएगा।

शहर में निकली सप्त विमान जी की शोभायात्रा

गंजबासौदा। पयुर्षण पर्व के उपरांत नगर में सकल जैन समाज ने नगर में भव्य रथ यात्रा एवं विमान जी चल समारोह का आयोजन भक्तिभाव के साथ किया। स्थानीय श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर पारस पुरम धूसरपूरा से संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर महाराज के शिष्य एवं नवाचार्य समय सागर जी के मंगल आशीर्वाद से निर्यापक मुनि संभव सागर महाराज ससंघ के सान्निध्य में शोभा यात्रा प्रारंभ हुई, जो कि गांधी चौक, सावरकर चौक, विजय स्तंभ चौक, सुभाष चौक से भगवान महावीर मार्ग होते हुए आयोजन स्थल भगवान महावीर विहार पहुंची। रथ यात्रा एवं विमान जी चल समारोह में सबसे आगे मंगल के प्रतीक अष्ट प्रातिहार्य चल रहे थे फिर विज्ञान रथ उसके पीछे ऐरावत हाथी, अश्व रथ और सिंह रथ चल रहा था। वहीं रथ के बाद महिला मंडल ड्रेस कोड के साथ अपनी अपनी प्रस्तुतियों के साथ भक्ति करती नजर आईं। महिला मंडल के पीछे नगर में संचालित जैन पाठशालाओं द्वारा तैयार की गई मन मोहक झाकियां शोभा यात्रा को आकर्षित कर रहीं थीं। जैन समाज के युवा अपने अपने सेवादल के साथ दिव्यघोष से नगर को गुंजायमान कर रहे थे। बालिका मंडल द्वारा शोभा यात्रा में अपनी अपनी प्रस्तुति दे रही थीं। वहीं चांदी के विशाल रथ में विराजमान भगवान आदिनाथ स्वामी की प्रतिमा सबको आकर्षित कर रही है। नगर में प्रथम बार रजत रथ यात्रा निकाली गई है, वहीं महावीर विहार में प्रस्तावित पाषाण के विशाल जिनालय में चौबीसी जिनालय एवं मुख्य मंदिर में वेदी , प्रतिमाओं और शिखर के पुण्यार्जकों की घोषणा मंच से की गई।

बच्चों को शिविर में दी कानूनी जानकारी

गंजबासौदा। तहसील विधिक सेवा समिति के तत्वाधान में शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन विमलेश मुड़ैया द्वितीय व्यवहार न्यायधीश वरिष्ठ खंड एवं न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी के मुख्य आतिथ्य में किया गया। शिविर में संविधान के मूलभूत अधिकार, कर्तव्य, निजता का अधिकार, दैनिक जीवन में उपयोगी विधियां, पीड़ित प्रतिकर योजना, निःशुल्क विधिक सहायता, घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम, नालसा तस्करी और वाणिज्यिक यौन शौषण पीड़ितों लिए विधिक सेवाएं योजना, नालसा हेल्प लाइन नंबर के संदर्भ में जानकारी प्रदान की गई। शिविर में एडवोकेट संजीव कुमार अरोरा, सत्यार्थी मूवमेंट फॉर ग्लोबेल कम्पेशन से अब्दुल कादिर खान, सरोज विश्वकर्मा,प्रहलाद भावसार एवं समस्त शिक्षक स्टाफ उपस्थित रहे कार्यक्रम संचालन पंकज शर्मा ने किया।

खेत में करंट लगने से बालक की मौत, देर शाम गुस्साए ग्रामीणों ने किया हाइवे पर चक्काजाम

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

शहर से लगभग 10 किलोमीटर दूर नटेरन तहसील के अंतर्गत आने वाले ग्राम जोगी किरोंदा निवासी मोहित कुशवाह अपने साथियों के साथ मवेशी ढूंढने गए गया था। गाँव से करीब 1 किलोमीटर दूर विदिशा-अशोकनगर हाईवे के पास एक खेत मालिक ने अपनी फसल की सुरक्षा के लिए खेत के चारों ओर करंट फैला रखा था। जिससे मोहित कुशवाह और उसके दो साथी करंट की चपेट में आ गए। मोहित को तुरंत सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अन्य दो बच्चों को झटका लगा जिन्हें घर लाकर आराम कराया।

घटना की ग्रामीण ने पुलिस प्रशासन ओर विद्युत मंडल को सूचना दी लेकिन सूचना के बाद भी घटना स्थल पर कोई नहीं पहुंचा। तब प्रशासन की लापरवाही से गुस्साए परिजनों और ग्रामीणों ने विदिशा-अशोकनगर हाईवे पर करीब 2 घंटे तक चक्काजाम कर दिया। तब कहीं जाकर अधिकारियों ने मौके पर पहुँचकर परिजनों को आश्वासन दिया। कि दोषियों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी,

जिसके बाद गुस्साए लोगों ने चक्काजाम खत्म किया। वहीं मौके पर पहुंचे बासौदा एसडीएम सहित प्रशासनिक अधिकारियों से परिजनों और ग्रामीणों ने लिखित में अपनी मांगे रखी हैं, और चेतावनी दी है कि यदि कार्रवाई नहीं हुई तो वे फिर से चक्काजाम करेंगे। ग्रामीणों का कहना है जिसने भी खेत के चारों तरफ करंट फैलाया गया है। इसलिए उस पर भी मामला दर्ज किया जावे।

किस्त ना जमा करने वाले 12 आवास पर की बड़ी कार्रवाई

छिंदवाड़ा, दोपहर मेट्रो

प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत वार्ड क्रमांक 24 स्थित सोनपुर मल्टी में नगर निगम प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। नियमित किस्त जमा न करने वाले 12 आवासों में पंचनामा बनाकर ताले लगाकर सील कर दिया गया। नगर निगम आयुक्त चंद्रप्रकाश राय ने बताया कि कुल 81 हितग्राहियों को आवास आवंटित किए गए थे। अधिकांश हितग्राही अंशदान की राशि बैंक से ऋण लेकर चुका रहे हैं, लेकिन बार-बार नोटिस देने के बावजूद कुछ ने भुगतान नहीं किया। ऐसे डिफॉल्टरों के खाते एनपीए आयुक्त के निर्देश पर सोनपुर मल्टी में निवासरत लोगों के लिए रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन बनाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इसके लिए अस्थायी समिति बनाई गई है, जो आवास प्रबंधन और निवासियों की समस्याओं के समाधान का जिम्मा देखेगी। नगर निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया कि बाकी डिफॉल्टरों पर भी इसी तरह की कार्रवाई होगी। साथ ही समय पर राशि जमा करने और जिम्मेदारी से रहने का संदेश दिया गया।

चैम्पियन बनीं शहडोल की लड़कियां

सिरोंज। सांदीपनि स्कूल के मैदान पर फुटबाल का हर रोमांच दिखाई दिया। 69वीं राज्य स्तरीय शालेय फुटबाल प्रतियोगिता के बालिका वर्ग का फाइनल मुकाबला शहडोल ने सडन डेथ से जीता। बराबरी पर छूटने के बाद रेफरी ने मैच का फैसला पेनाल्टी शूट आउट से करने से निर्णय लिया। भोपाल की तनिष्का, हीन, नव्या और देवीना ने गोल दागे तो शहडोल की सानिया, सौम्या, नीलम और वैष्णवी ने गोल कर दिए। पेनाल्टी शूट आउट में जब मुकाबला 4-4 से बराबर रहा तो रेफरी ने सडन डेथ से निर्णय लेने की जानकारी दी। इसमें पहले गोल करने का मौका शहडोल को मिला और इसमें शहडोल की पूर्णिमा ने कोई गलती नहीं की। उन्होंने गोल दाग कर अपनी टीम को चैम्पियन बना दिया। बालक वर्ग का फाइनल मुकाबला जनजातीय कार्य विभाग और इन्दौर के बीच हुआ। यह मैच भी रोमांच से भरपूर दिखाई दिया। पहले हाफ के 43वें मिनट में जनजातीय विभाग के अनीस ने गोल दाग कर अपनी टीम को 1-0 से बढ़त दिला दी थी। जो आखिर तक बनी रही। हालांकि पूरे समय गत चैम्पियन इन्दौर के लड़के जनजातीय विभाग पर हावी रहे लेकिन वे गोल करने में कामयाब नहीं हो सके। अंतिम क्षणों में इन्दौर के गोलकीपर रेहान ने भी दौड़ते हुए मैदान में आकर गोल करने का प्रयास किया लेकिन वे भी सफल नहीं हो सके। जनजातीय विभाग ने फाइनल मुकाबला 1-0 से जीत लिया। राज्य स्तरीय इस प्रतियोगिता को लेकर विधायक उमाकांत शर्मा के मार्गदर्शन में स्थानीय प्रशासन द्वारा की गई तैयारियों की खिलाड़ियों और उनके कोच ने प्रशंसा की।

निर्माण कार्यों की लागत निर्धारण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करें

इटारसी में कलेक्टर ने समीक्षा बैठक में दिए दिशा-निर्देश

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

कलेक्टर सोनिया मीना ने इटारसी में भूमि पुनर्घनात्वीकरण योजना के तहत प्रारंभिक परियोजना की जानकारी की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने पुनर्घनात्वीकरण के लिए चिन्हित प्रमुख स्थलों की जानकारी का पीपीटी प्रेजेंटेशन के माध्यम से अवलोकन किया। बैठक में एसडीएम इटारसी टी प्रतिक राव ने कलेक्टर को निवर्तन के लिए प्रस्तावित भूमि की जानकारी से अवगत कराते हुए अपेक्षित भूमि की जानकारी दी। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि आगामी एक सप्ताह में प्रस्तावित निर्माण कार्यों का विधिवत आकलन कर

लागत निर्धारण किया जाए एवं उक्त संबंध में रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए।

बैठक के दौरान ही एसडीएम इटारसी टी प्रतिक राव द्वारा इटारसी अनुविभाग अंतर्गत शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे नवाचारों से भी अवगत कराया गया। एसडीएम राव ने बताया कि इटारसी अनुविभाग द्वारा शिक्षण व्यवस्था को अधिक सशक्त बनाने और शासन, डिजिटल साक्षरता, बुनियादी ढांचे, रचनात्मकता और कैरियर मार्गदर्शन के माध्यम से समग्र विकास को बढ़ावा देने के लिए कई पहल शुरू की हैं। उन्होंने बताया कि बच्चों को प्रशासनिक कार्यालयीन गतिविधियों आदि से भी अवगत करवाया गया। साथ ही तकनीकी क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए भी निरंतर अग्रसर किया जा रहा है जिससे बच्चे विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेता बनकर उभरे हैं। एसडीएम ने अन्य नवाचारों की जानकारी भी कलेक्टर को दी। उन्होंने बताया कि बच्चों में डिजिटल साक्षरता, नागरिक जिम्मेदारी और रचनात्मकता को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न एनजीओ एवं सीएसआर के माध्यम से भी उनको जागरूक किया जा रहा है। इस दौरान एसडीएम ने राजस्व रिकॉर्ड के संधारण एवं सुलभ अभिगम्यता के लिए पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर तैयार किए गए सॉफ्टवेयर की भी पीपीटी के माध्यम से प्रस्तुति दी। बैठक के दौरान एसडीएम इटारसी टी प्रतिक राव, संयुक्त कलेक्टर नीलेश शर्मा, देवेंद्र प्रताप तहसीलदार शक्ति तोमर सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

महेश नारायण श्रीवास्तव बने अखिल भारतीय कायस्थ महापरिषद के प्रदेश अध्यक्ष

गंजबासौदा दोपहर मेट्रो

नगर के कायस्थ समाज के अध्यक्ष महेश नारायण श्रीवास्तव को अखिल भारतीय कायस्थ महापरिषद केंद्रीय समिति के अनुमोदन से सेवानिवृत्त प्रकोष्ठ का प्रदेश अध्यक्ष मनोनीत किया गया है नगर अध्यक्ष होते हुए महेश नारायण श्रीवास्तव ने मंदिर निर्माण धर्मशाला निर्माण, सामाज हित में

कार्य किए हैं उनके इस कार्य को देखते हुए उन्हें प्रदेश अध्यक्ष का दायित्व दिया गया है उनकी इस उपलब्धि पर नगर के लोगों ने उन्हें बधाइयां दी है। कैलाश नारायण श्रीवास्तव, शिवनारायण सक्सेना,प्रदीप श्रीवास्तव, विनोद श्रीवास्तव सुरेंद्र श्रीवास्तव, सूर्य प्रकाश श्रीवास्तव, अनुज श्रीवास्तव सहित अनेक लोगों ने बधाई दी है।

मेट्रो एंकर कई शिकायतों के बाद भी जिम्मेदार नहीं दे रहे ध्यान, जानकारी के लिए किसान भटकने को हैं मजबूर

कृषि प्रशिक्षण केंद्र 50 साल बाद भी गुमनाम, किसानों को नहीं लाभ

औबेदुल्लागंज, दोपहर मेट्रो

विकासखंड का संभागीय कृषि प्रशिक्षण केंद्र, जो लगभग 50 वर्षों से किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग द्वारा संचालित है, अव्यवस्था और अधिकारियों की उदासीनता के चलते गुमनाम हो गया है। किसानों को फसल प्रबंधन, रोग नियंत्रण, उर्वरक उपयोग, उन्नत बीजों की पैदावार जैसे विषयों पर प्रशिक्षण देने की जिम्मेदारी इस केंद्र की थी, परंतु पिछले दो वर्षों में एक भी प्रशिक्षण नहीं हुआ। चौंकाने वाली बात यह है कि अधिकांश किसानों को तो इस केंद्र के अस्तित्व की जानकारी तक नहीं है।

स्थानीय किसानों का कहना है कि अधिकारियों का रवैया केवल औपचारिक ड्यूटी निभाने और वेतन लेने तक सीमित है। केंद्र प्रभारी स्वयं स्वीकारते हैं कि वे प्रशिक्षण योजनाएं न बनाकर सिर्फ संभागीय कार्यालय से मिलने वाले आदेशों पर निर्भर रहते हैं। वहीं कृषि प्रशिक्षण केंद्र प्रभारी द्वारा प्रशिक्षण की जानकारी लेने गए किसानों के सवालों पर उन्हें नकली किसान कहकर बेइज्जत भी किया

गया। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब देश के केंद्रीय कृषि मंत्री का संसदीय क्षेत्र होने के बावजूद कृषि प्रशिक्षण केंद्रों की यह दुर्दशा है, तो प्रदेश और देशभर की स्थिति क्या होगी? यह उदाहरण साफ दिखाता है कि कृषि को लाभ का धंधा बनाने की सरकारी मंशा केवल कागजों तक ही सीमित है।

औबेदुल्लागंज के कृषि प्रशिक्षण केंद्र में आज हम फसलों से संबंधित रोगों के विषय में जानकारी लेने पहुंचे थे आज से पहले इस प्रशिक्षण केंद्र के अस्तित्व की हमें जानकारी नहीं थी किसी माध्यम से प्राप्त जानकारी पर हम अपनी फसलों में लगे रोगों के प्रशिक्षण के विषय में कार्यक्रम पूछने गए थे कि कब प्रशिक्षण दिए जाते हैं और किन-किन विषयों पर प्रशिक्षण होते हैं परंतु वहां पर उपस्थित अधिकारी द्वारा हमें नकली किसान कहकर संबोधित किया गया। साथ ही प्रशिक्षण के संबंध में हमें बताया गया कि अभी हमारे पास प्रशिक्षण का कोई कार्यक्रम नहीं है।
-राहुल गौर किसान ग्राम मगरपूंछ

आज किसान साथियों के साथ कृषि प्रशिक्षण केंद्र और औबेदुल्लागंज गया था जहां मेरे साथ सही व्यवहार नहीं किया गया मेरी धान की फसल में राहु रोग लग रहा है जिसके निवारण के लिए मुझे प्रशिक्षण और सही कीटनाशक के बारे में जानकारी चाहिए थी उपस्थित अधिकारी के द्वारा हम किसान हैं ही नहीं ऐसा कहा गया अब क्या हम अपने गले में तख्ती टांग कर निकले या अपने वही कागजात साथ लेकर घूमें जिससे लोगों को हम किस दिखें ।
-महेंद्र परमार किसान ग्राम नानाखेड़ी

आक्रोशित परिजनों को मंत्री राजपूत ने दिया उचित कार्रवाई का आश्वासन

लेखापाल की संदिग्ध मौत से गुस्साए परिजनों ने किया चक्काजाम, हत्या का केस दर्ज करने की मांग

सागर, दोपहर मेट्रो

राहतगढ़ नगर परिषद के लेखापाल हेमराज कोरी (57) की गुरुवार को संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के बाद राहतगढ़ में मृतक के परिवारजनों, नगर परिषद के कर्मचारियों व राहतगढ़ के लोगों ने चक्काजाम करदिया। जाम लगने से सागर विदिशा मार्ग पर वाहनों की कतारें लग गई। सूचना मिलते ही मंत्री गोविंद सिंह राजपूत मौके पर पहुंचे पीड़ित परिजनों से बात की। उनकी मांगों को गंभीरता पूर्वक सुना एवं जांच कर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया।

मंत्री राजपूत ने परिजनों को समझाइश देकर जाम खुलवाया। परिजनों ने राजपूत को बताया कि हेमराज कोरी लेखपाल के रूप में नगर परिषद में पदस्थ थे। सत्येंद्र जैन नामक युवक द्वारा आरटीआई लगाकर लगातार उन्हें प्रताड़ित किया जा रहा था। साथ ही उनसे लगातार पैसों की मांग करता था। परिजनों और कर्मचारियों ने सत्येंद्र जैन पर आरटीआई के नाम पर 40 लाख रुपए की मांग का आरोप लगाया। उन्होंने सत्येंद्र जैन के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज करने की मांग की। मंत्री राजपूत ने पीड़ित परिजनों की मांगों को सुना, एवं उन्हें आरोपी

पर कार्यवाई का आश्वासन दिया। दोषी के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। राजपूत ने एसडीएम और टीआई को सत्येंद्र जैन के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने और उसके द्वारा दायर आरटीआई की जांच करने के निर्देश दिए, ताकि फर्जी प्रकरणों का खुलासा हो सके। मंत्री राजपूत के आश्वासन और समझाइश के बाद पीड़ित परिवारजनों और लोगों ने जाम समाप्त किया।

पीड़ित परिवार को हर संभव मदद का दिलाया भरोसा

मंत्री राजपूत ने पीड़ित परिवार को हर संभव सहायता का भरोसा दिलाया। उन्होंने मृतक के अंतिम संस्कार के लिए राहतगढ़ से उनके पैतृक निवास तक नगर परिषद कर्मचारियों, परिजनों और स्थानीय लोगों के लिए एक बस की व्यवस्था की, जिससे लोग अंतिम संस्कार में शामिल हो सकें। इस मौके पर नगर परिषद पूर्व अध्यक्ष पप्पू तिवारी, मंडल अध्यक्ष प्रियांक तिवारी, मंडल अध्यक्ष सुरेंद्र रघुवंशी, नगर परिषद उपाध्यक्ष जाहिर कुरैशी, ऋषभ ओसवाल सहित प्रतिनिधि, कर्मचारी मौजूद रहे।

15 लाख से बने सामुदायिक भवन का लोकार्पण

तेंदूखेड़ा। दमोह जिले की जबेरा विधानसभा अंतर्गत जनपद तेंदूखेड़ा के ग्राम पतलोनी में 15 लाख रुपये की लागत से बनाए गए सामुदायिक भवन का स्थानीय विधायक एवं मंत्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी ने लोकार्पण किया। इस अवसर पर मंत्री श्री लोधी ने कहा कि इस भवन की मांग निरंतर ग्रामवासियों के द्वारा की जा रही थी जिसका लोकार्पण किया गया है। आने वाले दिनों में एक बड़ा टीन शेड भी यहां बनाकर तैयार किया जाएगा। पतलोनीवासियों का मुझे निरंतर आशीर्वाद प्राप्त होता रहा है, मैं आप सभी का आभारी हूं। भवन को बहुत ही सुंदर एवं मजबूत बना गया सरपंच श्रीमती तिज्जा बाई एवं सरपंच प्रतिनिधिश्री बेड़ी सिंह जी को बहुत बधाई देता हूं कार्यक्रम में मुख्य रुप से भाजपा जिला मंत्री श्री भारत सिंह लोधी, सुश्री विनीता कुलस्ते, तेजगढ़ मंडल अध्यक्ष संग्राम सिंह सरपंच प्रतिनिधि बेड़ी सिंह सादर वरिष्ठ नेता पहाड़ी सिंह लोधी सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं क्षेत्रवासियों की उपस्थिति रही।

पुलिस ने 11 वाहनों के काटे चालान

तेंदूखेड़ा। पुलिस अधीक्षक श्रुतकीर्ति सोमवंशी के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुजीत सिंह भदौरिया तेन्दूखेड़ा एसडीओपी डीएस ठाकुर के मार्गदर्शन में 15 दिवसीय अभियान चलाकर यातायात नियमों का उल्लघंन करने वाले वाहनों पर कार्रवाई की जा रही है इस अभियान के अंतर्गत तेन्दूखेड़ा थाना प्रभारी नितेश जैन ने कार्रवाई करते हुए 11 वाहन चालकों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई करते हुए हिदायत दी और जुर्माना भी वसूला। जबलपुर मार्ग पर तेन्दूखेड़ा पुलिस द्वारा नियमों का उल्लघंन करने वाले बिना हेलमेट के बाइक चलाने वाले और बिना सीटबेल्ट के कार चलाने वाले वाहनों पर तेन्दूखेड़ा पुलिस द्वारा चालानी कार्यवाही की है और 11 लोगों का चालान काटकर 3 हजार 700 रुपए जुर्माना वसूला है।

नगर निगम की कार्यप्रणाली के विरोध में भाजपा पार्षद धरने पर बैठे

पार्षद बोलीं- तीन साल से नहीं हो रहे कोई काम

सागर, दोपहर मेट्रो

नगर निगम की कार्यप्रणाली के विरोध और वार्ड में सड़क, बिजली के कामों को लेकर भाजपा की महिला पार्षद समर्थकों के साथ धरना पर बैठ गई। सूबेदार वार्ड पार्षद रूबी पटेल ने आरोप लगाया कि उनके वार्ड में काम नहीं कराए जा रहे हैं। कामों को लेकर लगातार लिखित में आवेदन दे चुके हैं। परंतु हर बार यही बहाना बना दिया जाता है कि राशि ही नहीं है। स्ट्रीट लाइट से लेकर सड़क तक के काम नहीं हो रहे हैं। वार्डवासी अब हमें उल्टा-सीधा सुनाते हैं। गोलाकुआ तिराहे पर चक्काजाम कर रही पार्षद ने कार्यकर्ताओं के साथ नगर निगम आयुक्त के खिलाफ नारेबाजी की। उन्होंने कहा कि तीन साल हो गए लेकिन वार्ड में विकास कार्य नहीं किए जा रहे।

धरना दिन भर चलता रहा। शाम करीब 6 बजे भाजपा जिलाध्यक्ष श्याम तिवारी पहुंचे। उन्होंने नगर निगम आयुक्त राजकुमार खत्री को फोन किया। कहा कि सूबेदार वार्ड पिछड़ा है। यहां के काम प्राथमिकता से करें। उन्होंने कि कहा जनता की आवाज के लिए यदि बैठना पड़ेगा तो हम इनके साथ हैं। पार्षद पटेल ने निगमायुक्त से

कहा कि वॉर्डवासी परेशान हो रहे हैं। लोग रोज घर आते हैं और सड़क बनवाने का बोलते हैं। लेकिन नगर निगम में कार्य कराने के लिए फाइल बनाकर देते हैं तो काम ही नहीं हो रहे हैं। सिर्फ हमारे वार्ड में ही विकास कार्य नहीं कराए जा रहे हैं। जबकि अन्य वार्डों में सड़क और नालियों का कार्य हो रहा है। उन्होंने वार्ड में विकास कार्य कराने की मांग की है। मामले की सूचना पर नगर निगम के उपायुक्त सहित अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे। पार्षद समेत रहवासियों से बात की और विकास कार्य कराने का आश्वासन दिया। भाजपा पार्षद द्वारा दिए गए धरने पर जिला कांग्रेस कमेटी प्रवक्ता एवं मीडिया प्रभारी आशीष ज्योतिषी ने भाजपा की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि एक तरफ जहां भारतीय जनता पार्टी विकास के कार्यों का गुणगान कर रही है वहीं उन्हीं के दल की एक पार्षद को अपने वार्ड वासियों की समस्याएं हल कराने के लिए धरना पर बैठना पड़ रहा है। यही नहीं,जिस वार्ड से रूबी पटेल पार्षद हैं, ठीक उसी के बगल वाला अम्बेडकर वार्ड है, जहां विधायक का निवास है। बावजूद इसके भाजपा पार्षद को धरना देना पड़ रहा है।

संभाग कमिश्नर ने की कार्रवाई

पुस्तकें कबाड़ी को बेचने के आरोप में प्राचार्य सस्पेंड

सागर, दोपहर मेट्रो

संभाग कमिश्नर अनिल सुचारी ने शासकीय माध्यमिक विद्यालय मगरधा, विकासखंड बंडा, जिला सागर के प्राचार्य एवं उच्च माध्यमिक शिक्षक आरके रोहित को छात्रों की पुस्तकें अनाधिकृत रूप से कबाड़ी को बेचने के गंभीर आरोप में तत्काल प्रभाव से निलंबित किया। ग्रामीणों द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना दी गई कि प्राचार्य, आरके रोहित द्वारा संस्था के छात्रों की उपयोगी पुस्तकें अनाधिकृत रूप से कबाड़ी को बेची जा रही है। उक्त घटना को संज्ञान में लिया जाकर जांच कमेटी गठित की। जांच कमेटी द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन अनुसार सुनील जैन जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि एवं अन्य जनप्रतिनिधियों अभिभावकों, पिकअप चालक, और पंचनामा के आधार पर प्रतीत हुआ कि, पुस्तकों से भरे पिकअप पुस्तकें विक्रय हेतु कार्य की प्राथमिक तैयारी थी। उक्त घटना के कारण से विभाग, प्रशासन की छवि धूमिल हुई है। कलेक्टर जिला सागर से प्राप्त प्रस्ताव प्राचार्य रोहित को प्रथम दृष्टया दोषी पाया गया। नियमों के अनुसार सागर संभाग कमिश्नर अनिल सुचारी ने प्राचार्य को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया है।

सेवा पर्व पखवाड़ा का होगा आयोजन

तेंदूखेड़ा। जबेरा विधानसभा के तेजगढ़ में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं की बैठक का आयोजन किया गया जिसमें 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर सेवा पर पखवाड़ा का आयोजन किया जाएगा। राज्य मंत्री धमेन्द्र सिंह लोधी ने बताया कि इस कार्यक्रम के तहत बूथ से लेकर हर ग्राम में कार्यकर्ताओं के द्वारा विभिन्न सामाजिक कार्य किए जाएंगे जिसमें रक्तदान शिविर, मैराथन दौड़, स्वच्छता अभियान, जैसे विभिन्न आयोजन करके प्रधानमंत्री का जन्मदिन मनाया जाएगा। प्रधानमंत्री के कार्यकाल में हम निरंतर उनका जन्मदिन सेवा भाव से मनाते आ रहे हैं। कार्यक्रम में मुख्य रूप से इस आयोजन के प्रभारी राजकुमार सिंह, भाजपा जिला मंत्री भारत सिंह लोधी, विनीता कुलस्ते तेजगढ़ मंडल अध्यक्ष संग्राम सिंह सरपंच प्रतिनिधि बेड़ी सिंह वरिष्ठ नेता पहाड़ी सिंह लोधी मंच का संचालन भोजराज जैन ने किया इस अवसर पर बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही।

अनेक शुभ संयोग रहेंगे विद्यमान, दो दिन पड़ रही चतुर्थी तिथि, 54 साल बाद बना ऐसा संयोग

इस बार 10 दिन के नवरात्र, गज पर सवार होकर आएंगी माता रानी

विशाल रजक, तेंदूखेड़ा

इस वर्ष शारदीय नवरात्र का पर्व विशेष संयोग लेकर आ रहा है। सामान्यतः नवरात्र नौ दिन का होता है, लेकिन इस बार यह उत्सव दस दिन तक मनाया जाएगा। नवरात्र में चतुर्थी तिथि दो दिन पड़ रही है। 25 और 26 सितंबर दोनों दिन चतुर्थी तिथि विद्यमान रहेगी। इस कारण श्रद्धालुओं को मां दुर्गा की आराधना और अनुष्ठान के लिए एक दिन अतिरिक्त मिलेगा। नवरात्र का शुभारंभ 22 सितंबर (सोमवार) से होगा। 1 अक्टूबर को महानवमी व 2 अक्टूबर को विजयादशमी का पर्व होगा

पं. गोपाल शास्त्री के अनुसार नवरात्र का प्रारंभ सोमवार से हो रहा है। मान्यता है कि नवरात्र सोमवार से आरंभ होता है, तब मां दुर्गा गज (हाथी) पर सवार होकर आती हैं। गज की सवारी सुख, समृद्धि व ऐश्वर्य का प्रतीक मानी जाती है। इसके चलते इस बार अच्छी वर्षा के लिए योग हैं। कृषि क्षेत्र के लिए भी यह नवरात्र शुभकारी रहेगा। इस दिन दोपहर 11.55 बजे के बाद हस्त नक्षत्र रहेगा, जो शुभता का प्रतीक है। वर्तमान में

विशेष संयोग

- **गज पर आगमन :** सुख और समृद्धि का प्रतीक
- **हस्त नक्षत्र :** शुभता और मंगलकारी फल प्रदान करने वाला।
- **शुक्ल योग :** धार्मिक अनुष्ठानों के लिए अत्यंत उत्तम।
- **चतुर्थी दो दिन :** नवरात्र का विस्तार दस दिन तक

पितृपक्ष पखवाड़ा चल रहा है। पितृपक्ष सामान्यतः 16 दिन का होता है, लेकिन इस बार एक तिथि क्षय होने से एक ही दिन में दो तिथियां पड़ रही हैं। अष्टमी व नवमी एक साथ आ रही हैं। इसके विपरीत नवरात्र में एक तिथि की बढ़ोतरी हो रही है।पंडित गोपाल शास्त्री ने बताया कि 54 साल बाद शारदीय नवरात्रि 10 दिन की पड़ रही है। यह अत्यंत शुभ माना गया है। उदया तिथि के हिसाब से 22 सितंबर से नवरात्र पर्व शुरू हो जाएगा विजयादशमी पर्व 2 अक्टूबर को मनाया जाएगा।

अर्द्धरात्रि से लगेगी प्रतिपदा

आश्विन शुक्ल पक्ष प्रतिपदा तिथि 21 सितंबर की अर्धरात्रि के बाद रात 1.23 बजे लगेगी और 22 सितंबर की अर्धरात्रि के बाद रात के तीसरे प्रहर 2.55 बजे तक रहेगी। ऐसे में उदया तिथि के हिसाब से आश्विन शुक्ल प्रतिपदा 22 सितंबर को होगी और उसी दिन कलश स्थापना की जाएगी और मां दुर्गा के प्रथम स्वरूप शैलपुत्री देवी का पूजन होगा। वहीं नवरात्र की चतुर्थी तिथि 25 और 26 सितंबर यानि 2 दिन पड़ रही है।

आश्विन माह के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि 29 सितंबर की शाम 4:31 बजे से लगेगी। इसलिए महाष्टमी 30 सितंबर को होगी। एक अक्टूबर का महानवमी का व्रत किया जाएगा। केवल प्रतिपदा और अष्टमी का व्रत करने वाले व्रती एक अक्टूबर को व्रत का पारण करेंगे, जबकि पूरे नौ दिनों का अनुष्ठान करने वाले विजयदशमी के दिन दो अक्टूबर को व्रत का पारण करेंगे

सरकार विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, प्रगति व आर्थिक विकास के लिए सतत प्रयासरतः लारिया

विद्यार्थियों को बांटी साइकिल एवं स्कूटी

सागर, दोपहर मेट्रो

सरकार शिक्षा प्रोत्साहन के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर रही है साथ ही विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, सामाजिक प्रगति और आर्थिक विकास के लिए सतत प्रयास कर उनमें आत्मविश्वास और स्वतंत्रता प्रदान कर रही है। यह बात नरयावली विधायक इंजी. प्रदीप लारिया ने साइकिल एवं स्कूटी वितरण कार्यक्रम अवसर पर शासकीय पीएमश्री विद्यालय बरारू, उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मुहली एवं सानोधा में कही। लारिया ने कहा कि सरकार शिक्षा के क्षेत्र में बेहतरीन इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ सांदीपनि विद्यालय एवं पीएमश्री विद्यालयों की स्थापना कर

प्रदेश के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने का उत्कृष्ट कार्य कर रही है।

शासकीय विद्यालयों में निःशुल्क पाठ्य पुस्तक, मध्यान भोजन, लैपटॉप, स्कूटी, निःशुल्क साइकिल सहित अनेक सकारात्मक पहल कर विद्यार्थियों को संबल प्रदान कर मनोबल बढ़ा रही है। विधायक लारिया ने पीएमश्री बरारू में 74 निःशुल्क साइकिल एवं दो स्कूटी, शासकीय उमावि मुहली में 49 साईकिल एवं 3 स्कूटी और शासकीय उमावि सानोधा में 19 साईकिल एवं 02 स्कूटी वितरित की। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष सौरभ केशरवानी, अशोक सिंह ठाकुर, प्राचार्य सतीशचंद्र पांडे, राकेश जैन, मंजूलता सिसोदिया सहित भाजपा पदाधिकारी कार्यकर्ता, शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

डीपीएसएस के अध्यक्ष का आरोप

दतिया जिले में आंगनबाड़ी भर्ती में करोड़ों का भ्रष्टाचार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

महिला बाल विकास विभाग द्वारा संपूर्ण प्रदेश में की गई आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं की भर्ती प्रक्रिया में भारी गड़बड़ी सामने आ रही है। दलित पिछड़ा समाज संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं आज़ाद समाज पार्टी के वरिष्ठ नेता दामोदर सिंह यादव ने आरोप लगाया है कि दतिया जिले के तीनों विकासखंड में 270 पदों पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाओं की भर्ती की गई। जिसमें बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार किया गया है। यादव ने कहा कि दतिया जिले में इन पदों के विरुद्ध तकरीबन 10-12 करोड़ रुपये की घूसखोरी हुई है। यही वजह है कि योग्य अभ्यर्थियों को बाहर कर आयोग्य को भर लिया गया है। अगर इतने छोटे जिले में इतनी बड़ी रकम वसूली गई तो प्रदेश भर में भ्रष्टाचार का आंकड़ा सैकड़ों करोड़ों का हुआ होगा। इसकी पुष्टि सिर्फ दतिया में हुई अनिमतताओं को देखकर की जा सकती है। उन्होंने बताया कि इस पूरी प्रक्रिया में ज़्यादा अंक देने के लिए जहां विवाहित को अविवाहित बताया गया है, वहीं मार्कशीट भी देश भर के कई कॉलेजों से फर्जी तैयार कराई गई है। दावे-आपत्ति के लिए निश्चित समय से पहले ही पोर्टल बंद कर दिया गया। इसी की आड़ में भ्रष्टाचार का खेल खेला गया है।

मेट्रो एंकर दुर्लभ तितलियों के खजाने से लबरेज है रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व

40 प्रकार की तितलियां, इनमें 25 सामान्य हैं और 15 दुर्लभ प्रजातियां

शशिकांत टिमोले, सागर

टाइगर रिजर्व वीरांगना रानी दुर्गावती (नौरादेही) टाइगर रिजर्व में बाघों की संख्या लगातार बढ़ रही है और जल्द ही अफ्रीकन चीते भी बसने वाले हैं। अभ्यारण्य अपनी जैव विविधता के लिए भी मशहूर है। यहां बाघों और दूसरे जानवरों के अलावा दुर्लभ पक्षियों का अपना अलग संसार है तो रंग बिरंगी आकर्षक तितलियां यहां के प्राकृतिक वातावरण की खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम करती हैं। पिछले सर्वे के आधार पर यहां कम से कम 40 प्रकार की तितलियां पायी जाती हैं। जिनमें करीब 25 सामान्य है और 15 दुर्लभ तितलियां है। यहां पाई जाने वाली तितलियां अपने रंग और आकृति के आधार पर अपने दुश्मन को छकाने का काम करती है, तो अपने साथी को रिझाने के लिए अपने रंगों और आकृति की इस्तेमाल करती है

नौरादेही टाइगर रिजर्व प्रबंधन के

अनुसार यहां पर तो उसमें सामान्य प्रजाति की तितलियां हैं. उनमें पैरट, सेलर, लेपर्ड और जेजबेल तितली है। डिप्टी डायरेक्टर ए ए अंसारी बताते हैं कि लगभग सभी प्रकार की प्रजातियां यहां पायी जाती है। कई सर्वे के बाद हम तय कर पाते हैं कि हमारे पास कितनी प्रजातियां की तितली है. ज्यादातर कीट पतंगों का शिकार पक्षी या दूसरे शिकारी जानवर करते हैं। उससे बचने के लिए या छिपने के लिए पंखों के डिजाइन तैयार कर लेते हैं या ऐसी आकृति बन जाए कि हमलावर से बड़ी दिखाई दें।

सागर वीरांगना दुर्गावति टाइगर रिजर्व प्रबंधन का कहना है कि चूंकि तितली वन और वन्यप्राणियों के संरक्षण का जरूरी हिस्सा है. आजकल सामान्य लोगों को वन और वन्यप्राणी संरक्षण से जोड़ने के लिए एक अच्छा साधन है कि हम बटरफ्लाई सर्वे और इससे जुड़ी गतिविधि करें. नौरादेही में पहले बटरफ्लाई को लेकर सर्वे होते रहे हैं। जिसका डाटा हमारे पास है, तितलियों का जो रहवास विशेष होता है कि कौन सी प्रजाति किस तरह के रहवास में रहती है। हम भी सर्वे की योजना बना रहे हैं कि हमारे पास डाटा आ जाए कि कितनी प्रजातियों की तितली हमारे टाइगर रिजर्व के संरक्षित क्षेत्र में हैं। जो हमारे पास सर्वे का डाटा है, उसके अनुसार यहां करीब 25 प्रकार की तितलियां हैं। इसके अलावा कुछ आंकड़े बताते हैं कि यहां पर 40 प्रकार की तितलियां हैं। तो उसमें सामान्य बटरफ्लाई है, जिनमें पैरट, सेलर, लेपर्ड और जेजबेल है। सभी प्रकार की प्रजातियां यहां पायी जाती है।

तितलियां फूलों की तरह करती हैं आकर्षित

तितलियां एक तरह से फूलों की तरह आकर्षित करती हैं। लोग घरों के बगीचों और जंगलों में नजर आने वाली तितलियों से काफी आकर्षित होते हैं। जैव विविधता के साथ वन एवं वन्यप्राणियों के संरक्षण से आम जनता को जोड़ने के लिए वनविभाग समय-समय पर लोगों को जोड़कर बटरफ्लाई सर्वे करते रहते हैं। ऐसे में नौरादेही टाइगर रिजर्व में कई बार तितलियों के सर्वे हो चुके हैं। पिछले सर्वे के आंकड़ों पर गौर करें, तो यहां 25 से 40 प्रजाति की तितलियां पायी गयी हैं. जिनमें कई सामान्य और कई दुर्भल प्रजाति की हैं. नौरादेही में पायी जाने वाली जूनोनिया प्रजाति की तितली शिकारी को बेवकूफ बनाने में माहिर है। ये तितली पंखों पर कैमोफ्लाज बनाकर शिकारी को परेशान कर देती है। अपने आप को आसपास के वातावरण में ऐसे ढाल लेती है कि शिकारी डर जाए। इस प्रजाति की तितली को इसलिए मेमिक करने में माहिर कहा जाता है। अगर ये पत्तों के बीच रहेगी, तो पत्तों के रंग में अपने आप को ढाल लेगी और झाड़ियों के बीच होगी, तो अपने पंखों का रंग वैसा ही कर लेती हैं।

एक मॉडल के चक्कर में दो बड़े खिलाड़ी?

टेनिस स्टार के 'लव ड्रामा' से हिले फैन्स... बहन ने खोल कर रख दी पोल

नई दिल्ली , एजेंसी

यूएस ओपन जीतकर फिर नंबर वन बन चुके 22 साल के टेनिस सुपर स्टार कार्लोस अल्कारेज अब सिर्फ कोर्ट पर नहीं, बल्कि अपनी पर्सनल लाइफ की वजह से भी सुर्खियों में हैं। टेनिस की दुनिया में उनकी धाक और जीत की कहानी जितनी जोरदार है, उतनी ही उनकी रोमांटिक अफवाहें ग्लैमर और स्पोर्ट्स वर्ल्ड में हलचल मचा रही हैं। चर्चा है कि अल्कारेज का दिल अब ब्रुक्स नेडर पर आया है। 28 साल की स्विमसूट मॉडल और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर, जो ग्लैमर, फैशन और टीवी की दुनिया में चमकती हुई शख्सियत हैं। लेकिन जैसे ही उनकी बहन ने रिश्ते की सच्चाई बताई, अल्कारेज के करीबी लोग सामने आए और कहा कि वह फिलहाल सिंगल हैं और कोई सीरियस रिलेशनशिप नहीं कर रहे। एक तरफ बहन का कन्फर्मेशन, दूसरी तरफ अल्कारेज का इनकार और तीसरी ओर ब्रुक्स का नाम उनके प्रतिद्वंद्वी जानिक सिनर के साथ जुड़ना। इस हाई वोल्टेज ड्रामा ने फैन्स और मीडिया दोनों को चौंका दिया है। ब्रुक्स की बहन ग्रेस ऐन ने न्यूयॉर्क फैशन वीक में मीडिया से कहा- रूमर्स सच हैं। कार्लोस इस वक्त 'मैन ऑफ द ऑवर' हैं। उन्होंने डेटिंग को ढीला शब्द बताते हुए कहा कि दोनों बेहद करीब हैं। लेकिन इसके ठीक बाद स्पेन के जर्नलिस्ट अल्बर्टो गुजमैन ने टीवी शो No Somos Nadie में कहा कि अल्कारेज ने अपने करीबी लोगों को साफ कह दिया है कि वह सिंगल हैं और फिलहाल किसी सीरियस रिलेशनशिप में नहीं हैं। इस विरोधाभास ने फैन्स और मीडिया के लिए कहानी को और पेचीदा बना दिया है।

ब्रुक्स का सिनर कनेक्शन, अफवाह या सच?

ब्रुक्स नेडर का नाम अल्कारेज के प्रतिद्वंद्वी जानिक सिनर से भी जुड़ा। पेज सिक्स की रिपोर्ट के मुताबिक, यूएस ओपन के दौरान वह दोनों टेनिस स्टार्स के करीब थीं। एक शो में जब उनसे पूछा गया कि क्या वह सिनर को डेट कर रही हैं, तो उन्होंने सीधे जवाब नहीं दिया, बल्कि कहा- आप करीब हैं, आप वॉर्म हैं। बाद में पता चला कि जिस मैच का जिक्र हो रहा था, वह असल में अल्कारेज का मैच था। ब्रुक्स सिर्फ मॉडल नहीं, बल्कि पॉप कल्चर की चमकती शख्सियत हैं। लुइजियाना में जन्मीं ब्रुक्स ने 2019 में स्पोर्ट्स इलस्ट्रेटेड स्विमसूट इश्यू के लिए 'स्विम सर्च' जीतकर ग्लैमर वर्ल्ड में एंट्री की। उन्होंने 10,000 से अधिक प्रतियोगियों को पीछे छोड़ा। इसके बाद उन्होंने लगातार 2020, 2021 और 2022 में स्पोर्ट्स इलस्ट्रेटेड में जगह बनाई। मैक्सिम और यूएस वीकली जैसी मैग्जीन के कवर पर भी नजर आईं। उनके सोशल मीडिया पर 17 लाख से अधिक फॉलोअर्स हैं।

टीवी और रियलिटी का ग्लैमर

ब्रुक्स ने डांसिंग विद द स्टार्स के सीजन 33 में हिस्सा लिया और अपने पार्टनर ग्लीब सावचेंको के साथ नौवें स्थान तक पहुंचगईं। हाल ही में उन्होंने अपनी तीन बहनों के साथ हुलु पर 'लव दाय नेडर' नामक रियलिटी शो लॉन्च किया। ग्लैमर, फैशन, ट्रैवल और रियलिटी। ब्रुक्स की लाइफ हर लिहाज से मीडिया और फैन्स के लिए आकर्षक बनी हुई है। ब्रुक्स ने 2019 में विज्ञापन मोगल बिली हेयर से शादी की, लेकिन 2022 में अलगाव और 2023 में तलाक हुआ। इसके बाद उनका नाम प्रिंस कॉन्स्टैंटाइन- अलेक्सियोस ऑफ ग्रीस एंड डेनमार्क और डांसिंग विद द स्टार्स के पार्टनर ग्लीब सावचेंको से भी जोड़ा गया।

यूएस
कि वह

इंजरी, गंभीर की 8 बैटर थ्योरी या स्पिनर्स पर हद से ज्यादा विश्वास...

अर्शदीप सिंह के एशिया कप में न खेलने की असली वजह क्या है?

नई दिल्ली , एजेंसी

भारत-पाकिस्तान के बीच 14 सितंबर को होने वाले एशिया कप के मुकाबले में प्लेइंग 11 बदलेगी या नहीं, यह एक बड़ा सवाल रहेगा। क्योंकि यूएई केखिलाफ मुकाबले में भारतीय टीम ने टी20 क्रिकेट में टीम इंडिया की ओर से 99 विकेट लेने वाले अर्शदीप सिंह को बाहर रखा था। ऐसे में सवाल उठे कि क्या अर्शदीप सिंह फिट हैं, या वो गौतम गंभीर की 8 बैटर थ्योरी के कारण टीम में फिट नहीं बैठ रहे हैं? या भारतीय टीम यूएई की स्पिन फ्रेंडली पिचों पर तेज गेंदबाजों पर ज्यादा वि?श्वास करने से बच रहा है।

अर्शदीप सिंह को आखिरी बार टी20 इंटरनेशनल में खेलने को मौका मिला था 31 जनवरी 2025 को मिला था, यानी पूरे 223 दिन पहले। उसके बाद भारतीय टीम ने एक और मैच मुंबई में खेला था। इसके बाद टीम एशिया कप के लिए यूएई रवाना हुई। अर्शदीप सिंह टी20 इंटरनेशनल में भारत की ओर से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उन्होंने 63 मैचों में कुल 99 विकेट झटके हैं और टी20 में 100 विकेट का आंकड़ा पूरा करने से बस एक विकेट दूर हैं। फिर भी चौकाने वाली बात ये रही कि उन्हें एशिया कप में यूएई के खिलाफ मैच में प्लेइंग XI में शामिल नहीं किया गया। इसके बजाय टीम मैनेजमेंट ने तीसरे स्पेशलिस्ट स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को मौका दिया। अब सवाल उठ रहा है, क्या ये कोई चोट (निगल) की वजह है या फिर टीम मैनेजमेंट का सोचा-समझा फार्मूला है, जिसमें बैटिंग लाइनअप को मजबूत करने के लिए तीसरे स्पिनर को शामिल किया गया? भारतीय टीम लंबे अर्से से 8वें नंबर तक बल्लेबाजी करने वाले खिलाड़ियों को उतारती रही है, जिसके गौतम गंभीर हिमायती रहे हैं। अर्शदीप इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में भी बेंच पर बैठे, हालांकि चौथे टेस्ट में वह वह फिंगर इंजरी के कारण बाहर रहे थे। अर्शदीप सिंह ने एशिया कप से पहले उनका एकमात्र मैच नॉर्थ जोन के लिए दलीप ट्रॉफी में सेंट्रल जोन के खिलाफ खेला था।

अब बड़ा सवाल... क्या टी20 वर्ल्ड कप में खेलेंगे अर्शदीप

एशिया कप 2025 में यूएई के खिलाफ टीम से बाहर बैठाए जाने के बाद अब एक बड़ा सवाल उठ रहा है कि क्या अर्शदीप सिंह टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भी अपनी जगह खो सकते हैं? यह वर्ल्ड कप इस बार भारत और श्रीलंका में खेला जाएगा, सब-कॉन्टिनेंट की धीमी पिचें जहां स्पिनर्स को अहमियत दी जाती है कोच गौतम गंभीर का फोकस हमेशा से रहा है, बल्लेबाजी को नंबर 8 तक मजबूत बनाना और पिच को ध्यान में रखते हुए कम से कम तीन फ्रंटलाइन स्पिनर्स को टीम में जगह देना। यह रणनीति चैम्पियंस ट्रॉफी में बहुत शानदार साबित हो चुकी है, जब भारत ने दुबई में फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ चार स्पिनरों अक्षर पटेल, रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती का इस्तेमाल किया था। खास बात यह है कि ज्यादातर एशियाई बल्लेबाजों को कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती की स्पिन पढ़ने में परेशानी आती है। वहीं नंबर 8 पर अक्षर पटेल की बैटिंग कई बार निर्णायक साबित होती है। इसलिए टीम प्रबंधन के लिए यह एक रणनीतिक मजबूरी बन गई है, जिससे अर्शदीप के लिए दरवाजा बंद होता जा रहा है। सिर्फ पाकिस्तान जैसे बड़े मुकाबले में ही गौतम गंभीर कोई अपवाद बना सकते हैं। ध्यान रहे पहले 50-ओवर मुकाबले में भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ हार्दिक पंड्या को ऑलराउंडर के तौर पर सपोर्ट में उतारा थ।

यूएई पहुंचने पर अर्शदीप सिंह ने क्या किया?

आईसीसीअकादमी में यूएई के खिलाफ मैच से पहले अर्शदीप ने नेट सेशन में ज्यादातर समय फिटनेस कोच एड्रियन ले रूक्स के साथ बिताया। वहीं अर्शदीप ने गेंदबाजी करने की बजाय बैटिंग पर ध्यान दिया और मोर्ने मोर्कल की निगरानी में तेज स्प्रिंट्स, स्ट्राइड्स, और अन्य फिटनेस ड्रिल्स किए। उन्होंने करीब एक घंटे तक शॉर्ट स्प्रिंट्स, स्प्रिंट रिपीट्स और स्ट्राइड्स किए। ऐसे में यह लग रहा था कि मानो वो किसी रिटर्न टू प्ले फिटनेस ड्रिल पर काम कर रहे हों।

एशिया कप 2025: पूर्व दिग्गज क्रिकेट की हुंकार

टीम इंडिया जीतकर आएगी..., कपिल देव ने सूर्या ब्रिगेड को बताया फेवरेट

नई दिल्ली , एजेंसी

एशिया कप 2025 में सूर्यकुमार यादव की अगुवाई में भारतीय टीम ने अपने अभियान का बेहतरीन आगाज किया। टीम इंडिया ने अपने पहले मैच में यूएई को 9 विकेट से पराजित किया था। अब भारतीय टीम अपने दूसरे मुकाबले में 14 सितंबर यानी रविवार को चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान का सामना करेगी। पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले से पहले भारतीय टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव ने बड़ा बयान दिया है।

कपिल देव का कहना है कि भारतीय टीम शानदार क्रिकेट खेल रही

है और टूर्नामेंट में जीत हासिल करेगी। कपिल देव ने कप्तानी के मुद्दे को लेकर कहा कि ये कोई बड़ी बात नहीं है। कप्तानी से ज्यादा देश के लिए खेलना मायने रखता है। कपिल देव का मानना है कि रोहित शर्मा-विराट कोहली के टी20 और टेस्ट क्रिकेट से रिटायरमेंट के बाद अब युवा खिलाड़ियों के पास खुद को साबित करने का मौका है।

कपिल देव ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, हिंदुस्तान की टीम खेलेगी और जीतकर आएगी, ये हमारी इच्छा है। हमें मालूम है कि जिस तरह की क्रिकेट खेल रहे हैं, भारत की टीम जीतकर आएगी। कपिल देव ने विराट कोहली और रोहित शर्मा को लेकर कहा, उनका वक्त था। उन्होंने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। बेहतर खेले इंडिया के लिए। अब नई जेनरेशन आई है, उन्हें खुद को साबित करना होगा। कपिल देव कहते हैं, भारतीय टीम की बात होनी चाहिए। इंडिविजुअल की बात नहीं होनी चाहिए।

राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतना यादगार रहा : चानू

नई दिल्ली । पेरिस ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहीं मीराबाई चानू ने राष्ट्रमंडल भारोत्तोलन चैंपियनशिप में महिलाओं के 48 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर लगभग 1 साल बाद दमदार वापसी की है। इसे चानू ने अपने करियर का यादगार पल बताया है। मीराबाई चानू ने कहा, यह यादगार था क्योंकि इस प्रतियोगिता में इस वर्ग में मैंने पहली बार भारत के लिए पदक जीता। मैं बहुत खुश हूं। चैंपियनशिप में पदक जीते हुए मुझे काफी समय हो गया था। 48 किग्रा वर्ग में बदलाव के बाद यह मेरी पहली प्रतियोगिता थी। मीराबाई ने स्नैच में 84 किग्रा और क्लीन एंड जर्क में 109 किग्रा सहित कुल 193 किग्रा भार उठाकर पहला स्थान हासिल किया था। नए भार वर्ग में फिट होने के लिए एक किग्रा और वजन कम करने का फैसला उनके लिए फायदेमंद साबित हुआ।

विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप

मीनाक्षी ने भारत के लिए चौथा पदक पक्का किया

लिवरपूल। विश्व मुक्केबाजी कप अस्ताना की रजत पदक विजेता मीनाक्षी ने विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में 48 किग्रा वर्ग के क्वार्टर फाइनल में इंग्लैंड की एलिस पम्फे को हराकर भारत के लिए चौथा पदक सुनिश्चित किया। हरियाणा के रोहतक की 24 वर्षीय मुक्केबाज ने अपनी लंबी पहुच का इस्तेमाल करते हुए पहले ही राउंड से पम्फ्रे पर दबदबा बनाया और 5-0 के अंतर से जीत हासिल की। ??वह नुपुर (महिला 80+ किग्रा), जैस्मीन लेम्बोरिया (महिला 57 किग्रा) और पूजा रानी (महिला 80 किग्रा) जैसी मुक्केबाजो के साथ प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंच गईं और पोडियम पर अपनी जगह पक्की कर ली।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

2025 पर अभिषेक बच्चन का कब्जा बने साल के सबसे सफल अभिनेता

अभिषेक बच्चन ने रिइन्वेंशन को अपनी पहचान बना लिया है, और 2025 उनके लिए एक शानदार साल साबित हुआ है। इस साल उन्होंने यह दिखा दिया कि लगन, प्रतिभा और थोड़े से स्वैग के साथ कोई भी कहानी बदली जा सकती है। चाहे बात स्ट्रीमिंग की हो या थिएटर्स की, अवॉर्ड्स की हो या फैशन की – अभिषेक ने हर मोर्चे पर बाज़ी मारी है, जानिए कैसे। ओटीटी प्लेटफॉर्म अब अभिषेक के लिए एक नया खेल का मैदान बन गया है। 'दसवी' से लेकर ग्लोबल हिट 'बी हैप्पी' तक, उनकी परफॉर्मेंस न केवल चार्ट में टॉप कर रही हैं, बल्कि दुनियाभर में ट्रेंड भी कर रही हैं। यह साबित करते हुए कि डिजिटल स्पेस में उनकी पकड़ बेजोड़ है। वह सिर्फ़ ओटीटी के चहेते नहीं हैं; हाउसफुल 5 के साथ, अभिषेक ने दर्शकों को अपनी ओर खींचकर और लगातार शानदार अभिनय करके सभी को अपनी कमर्शियल ताकत का एहसास दिलाया। 'आई वांट टू टॉक' से लेकर 'घूमर' तक, अभिषेक ने आलोचकों को उनके संजीदा अभिनय की सराहना करने पर मजबूर कर दिया है। मेलबर्न फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया में उनका 'सर्वश्रेष्ठ अभिनेता' पुरस्कार सिर्फ एक और अवॉर्ड नहीं था। यह उनके निरंतर शानदार प्रदर्शन और समर्पण का प्रमाण था। कॉमेडी हो, थ्रिलर हो या ड्रामा, अभिषेक हर शैली में सहजता से ढल जाते हैं।

मेट्रो बाजार

सिएट ने जीएसटी कटौती का फायदा ग्राहकों को देने का ऐलान किया

नई दिल्ली। भारत की दिग्गज टायर कंपनी सिएट लिमिटेड ने शुक्रवार को वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में कटौती का पूरा फायदा ग्राहकों को ट्रांसफर करने का ऐलान किया। सिएट ने प्रेस रिलीज में कहा कि कंपनी जीएसटी का 100 प्रतिशत फायदा ग्राहकों को ट्रांसफर करेगी। कंपनी की ओर से अपने सभी उत्पादों पर जीएसटी में कटौती की गई है और नई कीमतें

22 सितंबर से लागू होंगी। सरकार ने नए न्यूमेटिक टायरों पर जीएसटी को 28 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया गया है, जबकि अब ट्रैक्टर टायरों और ट्यूबों पर पांच प्रतिशत जीएसटी दर लागू होगी।

सिएट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक और सीईओ अर्नब बनर्जी ने जीएसटी को युक्तिसंगत बनाने को एक समयोचित और प्रगतिशील निर्णय बताया। बनर्जी ने कहा, जीएसटी की कम दरों से टायर उद्योग और उपभोक्ताओं, दोनों को बहुत लाभ होगा। इससे विभिन्न क्षेत्रों के ग्राहकों के लिए वाहन के स्वामित्व और संचालन की लागत कम होगी और टायरों को बदलना अधिक किफायती हो जाएगा। उन्होंने कहा कि टायरों को समय पर बदलने से हमारी सड़कें भी सुरक्षित होंगी। इस कदम से औपचारिकता और बेहतर अनुपालन को बढ़ावा मिलेगा, साथ ही इस क्षेत्र में सतत विकास को भी बढ़ावा मिलेगा।

अमेरिकी टैरिफ वृद्धि के बीच ईईपीसी इंडिया ने किफायती एक्सपोर्ट फाइनेंस की मांग की

नई दिल्ली। ईईपीसी इंडिया ने केंद्र सरकार से ब्याज समानीकरण योजना (आईईएस) को बहाल करने, किफायती एक्सपोर्ट फाइनेंस सुनिश्चित करने और भारत से इंजीनियरिंग निर्यात पर अमेरिका द्वारा लगाए गए टैरिफ के एक हिस्से को वहन करने के लिए सहायता प्रदान करने का आग्रह किया है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ??के साथ एक बैठक में, ईईपीसी इंडिया के अध्यक्ष पंकज चड्ढा ने हाल ही में अमेरिकी टैरिफ के मद्देनजर इंजीनियरिंग क्षेत्र की कमजोरियों पर प्रकाश डाला और निर्यातकों के लिए उधारी लागत कम करने में सहायता की मांग रखी। चड्ढा ने कहा, अमेरिका को भारत का इंजीनियरिंग निर्यात औसतन लगभग 20 अरब अमेरिकी डॉलर का है, जो अमेरिकी टैरिफ के अधीन भारत के कुल निर्यात का लगभग 45 प्रतिशत है। यह हमारे क्षेत्र की कमजोरियों और सरकारी समर्थन की तत्काल आवश्यकता को दर्शाता है। इस नुकसान को कम करने के लिए, उद्योग को कुछ क्षेत्रों में तत्काल सरकारी हस्तक्षेप की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, ईईपीसी इंडिया सरकार से खासकर एमएसएमई के लिए या कम से कम इंजीनियरिंग क्षेत्र की एसएमई विनिर्माण इकाइयों के लिए आईईएस को बहाल करने का आग्रह करती है। चड्ढा ने कहा, एमएसएमई को बैंकों और वित्तीय संस्थानों से वित्त प्राप्त करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, जहां हाई कोलेटेरल की आवश्यकताएं बनी रहती हैं। इसके अतिरिक्त, बैंकों द्वारा कोलेटेरल और ब्याज दरों को निर्धारित करने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले क्रेडिट रेटिंग सिस्टम एमएसएमई को असमान रूप से प्रभावित करती है।

निया शर्मा की सबसे छोटी गोवा ट्रिप दिन में तीन बार चेंज की ड्रेस

टेलीविजन इंडस्ट्री की मशहूर अदाकारा निया शर्मा अक्सर अपनी बोल्डनेस को लेकर प्रशंसकों के बीच सुर्खियों में छाई रहती हैं। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर अपनी हालिया गोवा यात्रा की मजेदार झलक पोस्ट की। निया ने इंस्टाग्राम पर अपनी छोटी-सी गोवा ट्रिप की तस्वीरें और वीडियो पोस्ट किए हैं, जिसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, अब तक की सबसे छोटी गोवा ट्रिप! 24 घंटे में ही वापस आ गई। अब तो घर ही अच्छा लगने लगा है।

एक वीडियो में अभिनेत्री ने मजाकिया अंदाज में बताया कि वह सुबह सबसे बड़ा ब्लैक कॉफी मग लेती हैं, और फिर उन्होंने कैमरे में छोटा सा मग दिखाया और हंसते हुए कहा, वेंटी। दूसरे वीडियो में निया गोवा की सड़कों पर टहलती नजर आ रही हैं, जहां उन्होंने बताया कि वह दिन में तीन बार कपड़े बदल चुकी हैं। उन्होंने मजाकिया अंदाज में बताते हुए कहा, मैं गोवा की सड़कों पर चल रही थी और हर बार नई ड्रेस दिखी तो बस बदलती चली गई। निया अक्सर अपने फैशन सेंस और ट्रेंडी लुक को लेकर सुर्खियों में बनी रहती हैं। इससे पहले उन्होंने इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन में दो तस्वीरें

पोस्ट की थीं। इन तस्वीरों में वह ऑल-ब्लैक गेटअप में नजर आ रही थी, जो उनकी बोल्ड और स्टाइलिश पर्सनैलिटी को उभार रहा था। तस्वीरों मे अभिनेत्री ने ब्लैक टॉप के साथ स्टाइलिश काले चश्मे पहने थे, जिसमें वह हल्की-सी मुस्कान के साथ सेल्फी लेती दिख रही थीं। वहीं, दूसरी तस्वीर में निया ने अपनी सैंडल की झलक दिखाई। निया हाल ही में लाफ्टर शेफ्स फन अनलिमिटेड में नजर आई थीं, जिसमें उनके साथ कृष्णा अभिषेक, राहुल वैद्य, करण कुंद्रा, अंकिता लोखंडे, विक्की जैन, रीम शेख, सुदेश लहरी, एल्विश यादव, रुबीना दिलैक, अली गोनी और कश्मीरा शाह जैसे सितारे शामिल थे।

सुनामी की चेतावनी जारी, जुलाई में इसी जगह हिली थी धरती

रूस के कामचटका क्षेत्र में आया 7.4 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप

मॉस्को, एजेंसी। रूस के कामचटका क्षेत्र के पास एक बार फिर शक्तिशाली भूकंप आया है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (USGS) ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया है कि भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 7.4 मापी गई है। USGS ने बताया कि भूकंप का केंद्र कामचटका के प्रशासनिक केंद्र पेट्रोपावलोव्स्क-कामचत्स्की से 111 किलोमीटर पूर्व में जमीन के नीचे 39.5 किलोमीटर की गहराई पर था। यह भूकंप उसी क्षेत्र में आया है, जहां इसी साल जुलाई में 8.8 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया था, जिसके बाद प्रशांत महासागर में सुनामी की चेतावनी जारी की गई थी। समाचार एजेंसी रॉयटर्स ने बताया है कि शनिवार को आए भूकंप के बाद क्षेत्र में सुनामी की चेतावनी जारी की गई है। प्रशांत सुनामी केंद्र ने अपनी चेतावनी में कहा है कि भूकंप से सुनामी आ सकती है। अभी तक किसी के हताहत होने का संपत्ति के नुकसान की कोई खबर नहीं है। अधिकारी किसी भी संभावित सुनामी खतरे के लिए स्थिति पर कड़ी नज रख रहे हैं।

सुनामी की चेतावनी जापान में नहीं: कामचटका के दक्षिण-पश्चिम में स्थित जापान ने सुनामी की कोई चेतावनी नहीं जारी की है। जुलाई में भूकंप के बाद आई सुनामी के चलते जापान में लगभग 20 लाख लोगों को तटीय इलाके से हटाना पड़ा था। कामचटका क्षेत्र में जुलाई में 8.8 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया था, जिसके बाद जापान, अमेरिका और प्रशांत महासागर के कई द्वीपीय देशों के लिए सुनामी की चेतावनी जारी की गई थी।

दिशा पाटनी के घर के बाहर फायरिंग, गोल्डी बराड़ ने ली जिम्मेदारी

बरेली, एजेंसी

एक्ट्रेस दिशा पाटनी के बरेली स्थित घर पर चार से पांच राउंड फायरिंग की गई। इसकी जिम्मेदारी गोल्डी बराड़ और रोहित गोदारा ने ली है। इस घर में दिशा पाटनी के पिता रिटायर्ड डिप्टी एसपी जगदीश पाटनी रहते हैं। सुबह करीब साढ़े चार बजे बाइक सवार दो बदमाशों ने दिशा के पिता के सिविल लाइंस स्थित घर के मुख्य दरवाजे और दीवार पर चार-पांच राउंड फायरिंग कर दी। हालांकि, इसमें कोई हताहत नहीं हुआ। तुरंत ही उनके घर के बाहर पुलिस फोर्स तैनात की गई। साथ ही एसपी सिटी और एसपी क्राइम के नेतृत्व में कार्रवाई के लिए पांच टीमें बनाई गईं।

रोहित गोदारा और गोल्डी बराड़ गिरोह ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है। उन्होंने एक फेसबुक पोस्ट में लिखा कि उन्होंने दिशा की बहन खुशबू पाटनी द्वारा प्रेमानंद जी महाराज और अनिरुद्धाचार्य को लेकर की गई टिप्पणी का बदला लिया है। साथ ही पोस्ट में धमकी दी गई है कि अगर किसी ने भी संतों और धर्मों के खिलाफ टिप्पणी की तो वह उसका अंजाम भुगतने के लिए तैयार रहें। हालांकि, अब यह पोस्ट डिलीट कर दिया गया है।

पाकिस्तान को इंटीग्रेटेड सैटेलाइट सिस्टम तैयार करने में मदद मिलेगी

भारत का खौफ, पाक ने चीन के साथ की सैटलाइट कमांड सेंटर बनाने की डील

इस्लामाबाद/बीजिंग, एजेंसी

पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ अपनी सर्विलांस क्षमता बढ़ाने के लिए चीन के साथ बहुत बड़ा समझौता किया है। 5 सितंबर को चीन की कंपनी PIESAT Information Technology Co. ने पाकिस्तान सरकार के साथ 406 मिलियन डॉलर के डील पर साइन किया है, जिसके तहत पाकिस्तान को इंटीग्रेटेड सैटेलाइट सिस्टम तैयार करने में मदद मिलेगी। इस प्रोग्राम के पहले फेज में 20 सैटेलाइट का लॉन्चिंग और ऑपरेशन, एक सैटेलाइट निर्माण केंद्र की स्थापना और सपोर्टिंग सॉफ्टवेयर का डेवलपमेंट शामिल है।

रिपोर्ट के मुताबिक इस समझौते का मकसद पाकिस्तान के लिए सैटेलाइट सर्विलांस का जाल तैयार करना है, ताकि भारत की हर चाल पर नजर रखी जा सके। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारतीय सैन्य अधिकारियों ने खुलासा किया था कि चीन ने पाकिस्तान को सैटेलाइट सर्विलांस की मदद दी थी और चीनी सैटेलाइट से ही पाकिस्तान, भारत पर लाइव नजर रख पा रहा था। माना जा रहा है कि चीन की मदद से पाकिस्तान, अपने लिए सैटेलाइट नेटवर्क सिस्टम बनाना चाहता है, ताकि युद्ध के दौरान उसे भारतीय हमलों को लेकर पहले से ही जानकारी मिल पाए।

पाकिस्तान लंबे समय से भारत के खिलाफ सर्विलांस क्षमता हासिल करने की कोशिश में लगा रहा है। साल 2021 में पाकिस्तान ने इसी मकसद से पाकिस्तान स्पेस सेंटर (PSC) के लिए फंडिंग की थी, लेकिन वह योजना कभी धरातल पर नहीं उतर सकी। लेकिन ऑपरेशन सिंदूर में भारत के हाथों अपने 11 एयरबेस गंवाने के बाद अब उसने चीन के साथ समझौता किया है। PIESAT कॉन्ट्रैक्ट उसे उस सपने को हकीकत में बदलने की दिशा में सबसे बड़ा कदम साबित हो सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, इसमें टेक्नोलॉजी ट्रांसफर, फैक्ट्री सेटअप और सैटेलाइट कॉन्स्टेलेशन की तैनाती सब कुछ एक पैकेज के रूप में शामिल है। इसका मतलब यह है कि पाकिस्तान को इस नेटवर्क सिस्टम का जल्द फायदा मिलना शुरू हो सकता है।

आपको बता दें कि चीनी कंपनी PIESAT का लक्ष्य अंतरिक्ष में चीन का सबसे बड़ा कॉमर्शियल सिंथेटिक अपर्चर रडार (SAR) नेटवर्क बनाना है, जिसके तहत वो 114 सैटेलाइट पृथ्वी के लोअर ऑर्बिट में लॉन्च करेगा। अभी तक उसने 13 सैलेटाइल लॉन्च किए हैं। भारत के खिलाफ संघर्ष के दौकान पाकिस्तान इमेजिंग इंटेलिजेंस (IMINT) की समस्य से जूझ रहा था, जबकि भारत के पास इसरो ने अपना नेटवर्क बना रखा है। पारंपरिक इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल (EO) सैटेलाइट दिन के उजाले और बादल रहित आसमान पर निर्भर रहते हैं, जिससे समय पर और सटीक तस्वीरें मिलना मुश्किल हो जाता है। इसके विपरीत, PIESAT की खासियत SAR तकनीक है, जो हर मौसम और दिन-रात किसी भी समय जमीन की हाई क्वालिटी तस्वीरें उपलब्ध करा सकती है।

बीजेपी की पटना में नड्डा की मौजूदगी में बड़ी बैठक आज

पटना, एजेंसी

बिहार विधानसभा चुनाव नजदीक आते ही बीजेपी ने अपनी तैयारियों को तेज कर दिया है। पटना स्थित पार्टी मुख्यालय में राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष की मौजूदगी में दोपहर बाद अहम बैठक होगी। इस बैठक में बिहार बीजेपी कोर ग्रुप, पदाधिकारी और वरिष्ठ नेताओं के साथ चुनावी रणनीति पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। जानकारी के अनुसार, जेपी नड्डा सुबह 11 बजे पटना पहुंच गए हैं। यहां वे पहले एक अखबार के कॉन्क्लेव में शामिल होंगे और उसके बाद दोपहर में पार्टी कार्यालय में बैठक करेंगे। इस दौरान वे नेताओं से बूथ से लेकर प्रदेश स्तर तक की तैयारियों की जानकारी लेंगे। साथ ही, संगठन और कार्यकर्ताओं के बीच तालमेल को और मजबूत करने पर भी जोर दिया जाएगा।

बैठक का मकसद केवल चुनावी रणनीति तय करना ही नहीं, बल्कि कार्यकर्ताओं को सक्रिय करना और जनता के बीच पार्टी की नीतियों को प्रभावी तरीके से पहुंचाना भी है। नड्डा और बीएल संतोष नेताओं से यह जानने की कोशिश करेंगे कि किन मुद्दों को जनता के बीच प्राथमिकता दी जानी चाहिए और किन क्षेत्रों में संगठन को और सशक्त बनाने की जरूरत है।

उत्तर पश्चिम भारत से मानसून की 111 दिन बाद 15 सितंबर से विदाई

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कहा कि दक्षिण-पश्चिम मानसून की 111 दिन बाद 15 सितंबर के आसपास से उत्तर-पश्चिम भारत से वापसी शुरू हो जाएगी। आईएमडी ने बयान में कहा, पश्चिमी राजस्थान के कुछ हिस्सों से 15 सितंबर के आसपास दक्षिण-पश्चिम मानसून की वापसी के लिए परिस्थितियां अनुकूल होती जा रही हैं। दक्षिण पश्चिम मानसून आमतौर पर 1 जून को केरल में दस्तक देता है और 8 जुलाई तक पूरे देश में पहुंच जाता है। 17 सितंबर के आसापस उत्तर-पश्चिम भारत से उसकी वापसी शुरू हो जाती है और 15 अक्तूबर तक पूरे देश से वापसी हो जाती है। इस वर्ष मानसून ने सामान्य तिथि 8 जुलाई से नौ दिन पहले ही पूरे देश को कवर कर लिया। 2020 के बाद से यह सबसे जल्दी मानसून था जिसने पूरे देश को कवर किया, जब मानसून ने 26 जून तक ऐसा किया था।

अब बिहार अधिकार यात्रा पर निकलेंगे तेजस्वी पांच दिनों में 10 जिलों तक पहुंचने का प्लान

पटना, एजेंसी

राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा में सहभागिता के बाद अब राजद नेता तेजस्वी यादव (Tejashwi Yadav) बिहार अधिकार यात्रा पर निकलने वाले हैं। उनकी यह यात्रा 16 सितंबर से शुरू होकर 20 सितंबर को समाप्त होगर। इस दौरान वे 10 जिलों का परिभ्रमण करेंगे। राजद का मानना है कि राहुल की यात्रा से ये 10 जिले बिल्कुल अछूते रह गए थे।

पांच दिनों की इस यात्रा का उद्देश्य विधानसभा क्षेत्रों में जनता से संवाद करना है। जहानाबाद से तेजस्वी यात्रा की शुरुआत करेंगे और समापन वैशाली में। राजद की बिहार इकाई के प्रधान महासचिव रणविजय साहू ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी।

उन्होंने संबंधित जिलों के पार्टी सांसद, विधायक, जिलाध्यक्ष एवं अन्य नेताओं को यात्रा में सहभागी होने का निर्देश भी जारी कर दिया है। निर्देश में स्पष्ट है कि बिहार अधिकार यात्रा जिन विधानसभा क्षेत्रों से होकर गुजरेगी, वहां पर किसी एक जगह तेजस्वी जनसंवाद करेंगे। उल्लेखनीय है कि 17 अगस्त से 30 अगस्त के बीच वोटर अधिकार यात्रा 23 जिलों से होकर गुजरी थी। उस दौरान राहुल के साथ तेजस्वी ने बिहार में 13000 किलोमीटर से अधिक का परिभ्रमण किए थे।

ऑपरेशन सिंदूर में सफलता के बाद एयरफोर्स ने मांगे 114 राफेल

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय वायुसेना ने रक्षा मंत्रालय को 114 मेड इन इंडिया राफेल लड़ाकू जेट खरीदने का प्रस्ताव भेजा है, जिसका निर्माण फ्रांसीसी फर्म डसॉल्ट एविएशन द्वारा भारतीय एयरोस्पेस फर्मों के साथ मिलकर किया जाएगा। 60 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री सहित 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक के इस प्रस्ताव पर अगले कुछ हफ्तों में रक्षा सचिव की अध्यक्षता वाले रक्षा खरीद बोर्ड द्वारा चर्चा किए जाने की उम्मीद है। एक बार पूरा हो जाने पर यह रक्षा परियोजना भारत सरकार द्वारा हस्ताक्षरित अब तक का सबसे बड़ा रक्षा सौदा होगा।

अब तक का सबसे बड़ा रक्षा सौदा होगा

राफेल के लिए अब तक के सबसे बड़े रक्षा सौदे से भारतीय रक्षा बलों के बेड़े में राफेल विमानों की संख्या 176 हो जाने की उम्मीद है, क्योंकि भारतीय वायु सेना पहले ही 36 राफेल विमानों को शामिल कर चुकी है और भारतीय नौसेना ने सरकार-से-सरकार सौदों के तहत 26 राफेल विमानों के ऑर्डर दिए हैं।

मेट्रो एंकर अब बेटा बड़ा हुआ और स्कूल फीस में आई दिक्कत तो पिता ने मांगा मुआवजा

नसबंदी के बाद पत्नी ने दिया बेटे को जन्म

भोपाल, दोहपर मेट्रो

मध्य प्रदेश में एक अजीबोगरीब मामला सामने आया है। सिंगरौली के संतोष शाह को अपनी पत्नी की नसबंदी फेल होने के नौ साल बाद मुआवजे की मांग करनी पड़ रही है। नसबंदी के बाद भी उन्हें चौथा बच्चा हो गया। ऐसे में बच्चे की पढ़ाई का खर्च उठाने में मुश्किल हो रहा है। संतोष शाह ने बताया कि वह सिंगरौली जिले के चचर गांव के रहने वाले हैं। उनकी पत्नी रामपति ने 30 जनवरी 2016 को सरकारी अस्पताल में नसबंदी करवाई थी। 4 जून 2018 को उनके बेटे अंकित का जन्म हुआ। अब अंकित सात साल का हो गया है। वह एक प्राइवेट स्कूल में दूसरी कक्षा में पढ़ता है।

मुआवजा नहीं मिला

बच्चे के जन्म के बाद संतोष ने अधिकारियों से संपर्क किया लेकिन उन्हें परिवार नियोजन क्षतिपूर्ति योजना के तहत कोई मुआवजा नहीं मिला। संतोष ने कहा कि उन्होंने ऑपरेशन इसलिए करवाया था कि वे और बच्चे का खर्च नहीं उठा सकते थे। इसके साथ ही कहा कि सरकार को उनके बेटे की शिक्षा में मदद करनी चाहिए थी।

संतोष के पहले से हैं तीन बच्चे

संतोष और रामपति के पहले से ही तीन बच्चे हैं। वह पहले एक फैक्ट्री में काम करता था। मुआवजे के लिए कई बार कलेक्ट्रेट गया। लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। दो साल पहले संतोष साह ने फैक्ट्री की नौकरी छोड़ दी। अब खेती कर अपने परिवार का पालन-पोषण करता है। उनके बच्चे 9वीं, 8वीं, 6वीं और 2वीं कक्षा में पढ़ते हैं। संतोष ने इस हफ्ते फिर से मुआवजे की मांग शुरू कर दी है। उनके बेटे के स्कूल ने हाफ-ईयरली एग्जाम से पहले फीस भरने के लिए कहा है। 9 सितंबर को उन्होंने कलेक्ट्रेट में जनसुनवाई के दौरान एक नया आवेदन जमा किया।

30 हज़ार रुपए मिलता मुआवजा

स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि FPIS के तहत नसबंदी फेल होने पर 30,000 रुपए का मुआवजा दिया जाता है। लेकिन, इसके लिए तय समय के अंदर क्लेम करना होता है। स्वास्थ्य विभाग के एक सूत्र ने बताया कि संतोष ने बच्चे के जन्म के तुरंत बाद अधिकारियों से संपर्क किया था, इसलिए वे मुआवजे के हकदार हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पुष्पराज सिंह ने कहा कि अगर परिवार पात्रता मानदंडों को पूरा करता है, तो उन्हें मुआवजा मिलेगा। हम डिटेल्स वेरिफाई करेंगे। संतोष का कहना है कि वे बहुत परेशान हैं। उनके पास बच्चों की पढ़ाई के लिए पैसे नहीं हैं। उन्होंने सरकार से जल्द से जल्द मुआवजा देने की गुहार लगाई है। उनका कहना है कि अगर सरकार मदद नहीं करेगी तो उनके बच्चों का भविष्य अंधकार में डूब जाएगा।

बंगाल के बीरभूम में पत्थर की खदान ढही, 6 की मौत

बीरभूम, एजेंसी। पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले के बहादुरपुर गांव में एक पत्थर की खदान का एक हिस्सा ढहने से छह लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। खदान में काम कर रहे मजदूर खनन प्रक्रिया के दौरान भारी चट्टानों के नीचे दब गए थे। सभी घायलों को हालत बिगड़ने पर बर्दवान मेडिकल कॉलेज में भेजा गया है।

हासन हादसे में मृतकों मिलेंगे दो-दो लाख

नई दिल्ली, एजेंसी। कर्नाटक में हासन ट्रक हादसे को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुख जताया है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने प्रत्येक मृतक के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से दो लाख रुपये और घायलों को 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। दरअसल, बीते दिन हासन जिले के मोसाले होसाहल्ली गांव में गणेश विसर्जन जुलूस के दौरान एक ट्रक ने भीड़ को कुचल दिया था, जिसमें नौ लोगों की मौत हो गई थी और 22 घायल हो गए थे। घायलों में कम से कम आठ लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने इस त्रासदी में जान गंवाने वालों के परिवारों को पांच-पांच लाख रुपये का मुआवजा देने की घोषणा की है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया** **स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022